अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

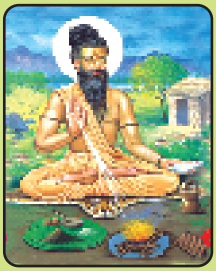

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMAN

अंगिराऽसि जंगिडः वर्षः 114, अंकः 11, नवम्बर-2021 ई., तारीख 22-27 प्रति माह श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2021 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

कुल पृष्ठ-64

कार्यकारी प्रधान- फूल कुमार शर्मा

सम्पादक-ओमप्रकाश सैवाल

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रथम प्रेरक

पं.बाबू गोरधनदास जी शर्मा, मथुरा

डॉ. इन्द्रमणि जी शर्मा, लखनऊ

पं.पालाराम जी शर्मा, रायपुरखल-पंजाब

पत्र के जन्मदाता

पं.डालचन्द जी शर्मा, जहाँगीराबाद-उ.प्र.

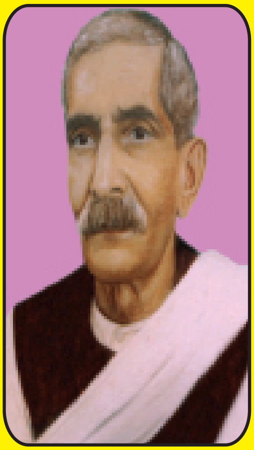

गुरूदेव पं.जयकृष्णजी मणीठिया, दिल्ली

समाज के महापुरूष

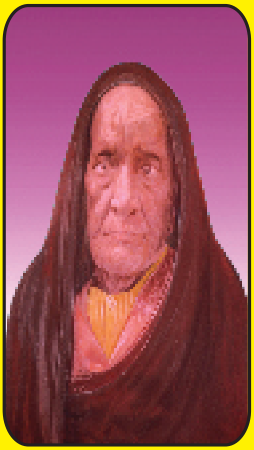

स्व.श्रीमती सुन्दरदेवी, दिल्ली

महासभा भवनदानकर्ता, दिल्ली

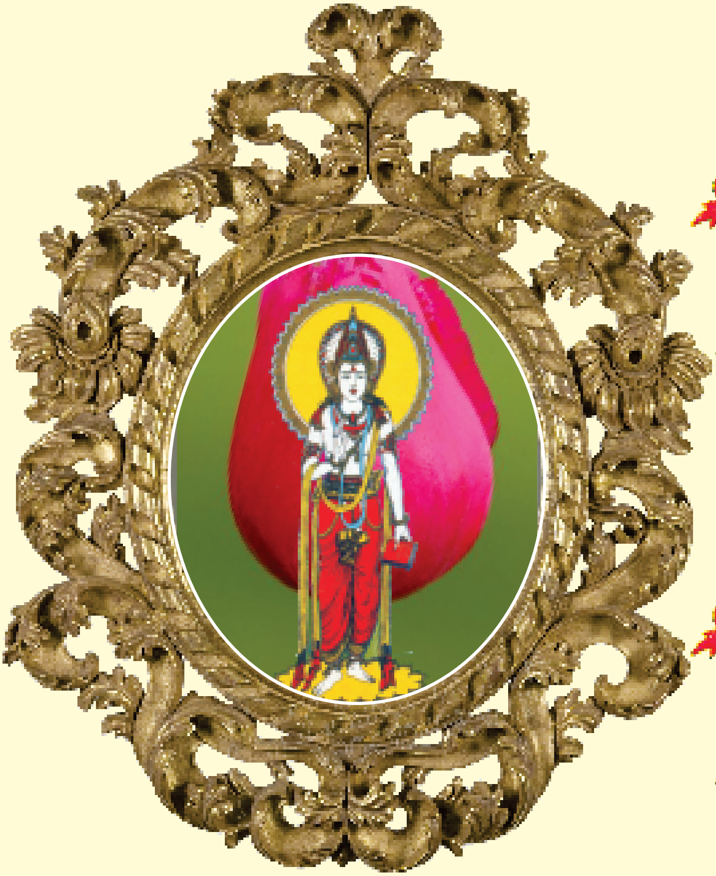

।। श्री विश्वकर्मा जी की आरती ।।

ॐ जय श्री विश्वकर्मा, प्रभु जय श्री विश्वकर्मा ।
सकल सृष्टि के कर्ता, रक्षक श्रुति धर्मा ।। ॐ...

आदि सृष्टि में विधि, श्रुति उपदेश दिया ।
जीव मात्र का जग में, ज्ञान का विकास किया ।। ॐ..

ऋषि अंगिरा ने तप से, शांति नही पाई ।
ध्यान किया जब प्रभु का, सकल सिद्ध आई ।। ॐ...

रोग ग्रस्त राजा ने, जब आश्रय लीना ।
संकट मोचन बनकर, दु:ख दूर कीना ।। ॐ...

जब रथकार दंपति, तुमरी टेर करी ।
सुनकर दीन प्रार्थना, विपत्ति हरी सगरी ।। ॐ...

एकानन चतुरानन, पंचानन राजे ।
द्विभुज, चतुर्भुज दसभुज, सकल रूप साजे ।। ॐ...

ध्यान धरे जब पद का, सकल सिद्धि आवे।
मन दुविधा मिट जावे, अटल शांति पावे ।।ॐ...

श्री विश्वकर्मा जी की आरती, जो कोई नर गावे ।
कहत गजानंद स्वामी, सुख संपति पावे ।। ॐ...

।। ब्रह्म ऋषि अंगिरा जी की आरती ।।

ॐ जय ऋषि अंगिरा, स्वामी जय ऋषि अंगिरा ।
परमपिता सुख दाता, हरें सकल पीरा ।। ॐ...

आदि सृष्टि में उपजे, गुरू पद प्राप्त किया ।
ब्रह्मादिक ऋषियों को, सद उपदेश दिया ।। ॐ...

अथर्ववेद युग द्रष्टा, बहु विधि श्रुति गावें ।
आंगिरस गुरू बृहस्पति, सुर गुरू कहलावें ।। ॐ...

वंशज भये भुवन सुत, भौवन विश्वकर्मा ।
ब्रह्मा सम गुणवन्ता, रक्षक श्रुति धर्मा ।। ॐ...

यज्ञ हेतु अग्नि का, आविष्कार किया ।
आश्रम अंगिरा का, पावन धाम भया ।। ॐ...

शीश जटा मणि सोहे, तिलक भाल राजे ।
कांधे सूत्र जनेऊ, पीताम्बर साजे ।। ॐ...

तक्षशिला आर्यवर्त में, गुरूकुल खोल दिया।
विश्वविद्या का जग में, ज्ञान विकास किया ।।ॐ...

जांगल देश तपोवल, धनुर्वेद ज्ञाता ।
जंग हेतु भये जांगिड, ब्राह्मण विख्याता ।। ॐ...

गुरू महिमा ऋषि आरती, जो कोई जन गावे ।
'हरिदेव' शरणागत, सुख सम्पति पावे ।। ॐ...

ॐ जय ऋषि अंगिरा, स्वामी जय ऋषि अंगिरा ।
परमपिता सुख दाता, हरें सकल पीरा ।। ॐ...

'जांगिड ब्राह्मण' पत्र के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज में भावात्मक एकता, सहभागिता, सदाचार एवं नैतिकता जैसे गुण प्रोत्साहित करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को उजागर कर उनके उन्मूलन हेतु जनाधर तैयार करना।
6. पत्र प्रत्येक अंग्रेजी मास की 22-27 तारीख को प्रकाशित होता है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्र में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 011-42420443, 011-42470443

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

कार्यकारी प्रधान-पं.फूल कुमार शर्मा ''जांगिड''-	09810120614
महामंत्री-पं.अनिल एस. ''जांगिड'' -	09015815597
सम्पादक-पं.ओमप्रकाश सैवाल ''जांगिड'' -	09416104774
सह-सम्पादक-पं.मनोहर लाल शर्मा ''जांगिड''-	09968910271
उप-सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड'' -	09814681741

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता	रुपये
प्लैटिनम सदस्य	- 1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	- 51,000/-
रजत सदस्य	- 25,000/-
विशेष सम्पोषक	- 21,000/-
सम्पोषक सदस्य	- 11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	- 2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	- 500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	- 240/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 20000/-,वार्षिक 200000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 13000/-,वार्षिक 125000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 9000/-, वार्षिक 91000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 5000/-, वार्षिक 51000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 30000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-,वार्षिक 15000/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 501/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के **स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. 61012926182 (IFSC Code: SBIN0030139)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, एसएमई टाऊन हॉल, चांदनी चौक, दिल्ली-06) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें। तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

सोमदत्त शर्मा ''जांगिड''
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9811131031

अनुक्रमणिका

07. सम्पादकीय.....
09. चुनाव प्रेषण कार्यक्रम
18. प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान सम्मान समारोह..
19. महासभा चुनाव 2022 की सूचना..
20. जांगिड़ विद्यार्थी चैरिटेवल ट्रस्ट....
21. जांगिड़ वि.चैरिटेवल ट्रस्ट.(प्रार्थना पत्र)
22. राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा...
23. पंचकुला में विश्वकर्मा पूजा दिवस..
24. जय विश्वकर्मा जी बुलढाना
25. महान संत स्वामी कल्याण देव...
28. मानवता सेवा परम धर्म...
29. चुनाव सम्बन्धी Genral Instra...
31. दानदाता सूची...........
39. चुनाव चिन्ह आवंटन पत्र.....
40. जांगिड़ समाज मेधावी छात्र सम्मान...
41. महाराष्ट्र प्रदेश सभा चुनाव अधिसूचना.
42. जिला बुल्ढाना तहसीलाध्यक्ष चुनाव अधिसूचना
43. पंजीकृत शाखा, ग्राम, ब्लाक, तहसील,
44. होनहार दिनेश जांगिड़ नोबल शांति...
45. होनहार......
50. कविता चिन्ता कर्ता.....
51. संस्कृति संस्कार व शिक्षा
52. समाज जागृति शंखनाद.....
54. सरंक्षक सदस्य सूची...
59. बैवाहिक विज्ञापन.
60. शोक सन्देश...

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

एन.आर.जे.इंजिनियर्स प्रा0लि0

ब्लेज इंटरनेशनल

Magzine Designed by Chandan

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर मास की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही है वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।?

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्वानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे हैं। जिससे हमेंश पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अन्त में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दें। तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

महासभा-निर्वाचनोत्सव-2022

अति ऊहा-पोह परिस्थितियों के उपरान्त अन्ततः माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली द्वारा महासभा के निर्वाचन की तिथि घोषित हो ही गई। आगामी नववर्ष 2022 की द्वितीय जनवरी को महासभा प्रधान प्रत्याशियों का भाग्य मतदान पेटियों में बन्द हो जायेगा। जिसें दिनांक 02 जनवरी रात्रि 10 को ही ताजी हवा व प्रकाश के दर्शन होंगे। सफलतम प्रत्याशी को 115 वर्ष प्राचीन राष्ट्रीय महासभा की डोर सौंप दी जायेगी।

हमारा जांगिड समाज कुशलतम बुद्धि विवेक में अग्रणी जाना जाता है जो मिट्टी के एक लोथड़े व गोल मटोल पत्थर को अपनी कुशाग्र बुद्धि से उस भगवान का रूप दे देता है जिसे संसार पूजने लगता है और स्वार्थहीनता, त्याग भावना इतनी कि कहीं भी उस मूर्ति पर निर्माता, जन्मदाता का नामोनिशान नहीं। बेडोल लोहे के अयस्क को कूट-पीट कर उसमें अपनी कल्पना इस सीमा तक भर देता है कि वही आकृति कहीं सुई, तलवार व विशाल जहाज व हवाई जहाज का रूप ग्रहण कर लेती है। अपने सिद्धहस्तों से ऐसे-ऐसे यन्त्रों, अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कर देता है कि देखने वाले दातों तले अंगुलियां दबा लेते हैं। महासभा प्रधान चुनने में भी इसी बुद्धि का प्रयोग वांछित है देखते है यहां उनके सिद्धहस्त हस्त किस मानव मूर्ति का प्रधान के रूप में सृजन करते हैं।

115 वर्ष से थोड़ी-बहुत वैचारिक भिन्नता होते हुए भी महासभा निर्बाध, अग्रणीय संस्थाओं में अपना स्थान रखती है शायद ही अन्य ऐसी कोई संस्था होगी जो इतनी आयु प्राप्त कर चुकी हो। पहले सर्व सम्मति से, अनुनय-विनय करके महासभा का भार किसी एक जांगिड शिरोमणी को सौंप कर, निश्चिंत हो जाया जाता रहा है परन्तु समय की करवट के साथ हमारा भी कर्त्तव्य उसके साथ ही चलने का बनता है। क्योंकि समय बलवान है उसी के आधीन संसार गतिमान है। आइये उसी के साथ चलते हुए एक ऐसे व्यक्तितत्व को महासभा का कार्यभार सौंप दें जो अधिसंख्य का प्रिय हो।

हमारा मत उस सज्जन को मिले जो शिक्षित व कढ़ा-पढ़ा हो। उसकी आयु उस मोड़ से गुजर चुकी हो जिस मोड़ पर भाई-भतीजावाद खत्म होकर, समदृर्शिता से अपने समाज को अपना निजि कुटुम्ब समझने लगा हो। जिसे अपने धन वैभव का गर्व न हो और जीवन में समाज सेवा करने का समय भी हो। वह सब को साथ लेकर चलने वाला हो जो विपक्षियों के प्रति भी अनुराग रखता हों, उनकी सहमति, उनके अच्छे सुझावों को भी मान कर चलने वाला हो। जिसमें गांव-गांव, शहर-शहर घूम-घूम कर महासभा का परिचय, उसके उद्देश्यों को

प्रचारित करने की हिम्मत हो। क्योंकि आज भी 115 वर्षो से हमारी महासभा की जानकारी व ज्ञान केवल समाज के 60 प्रतिशत लोगों को मुश्किल से पता है वह भी केवल शहरों में। हमारा प्रधान केवल पगड़ी, माला और जयकारों का भूखा न हो। उसके तन, मन व आत्मा में केवल और केवल समाजोत्थान की भावना भरी हो। ईर्ष्यालु, घमंडी, अपने आपको ही बुद्धिमान समझने वाला व्यक्ति न तो स्वयं सफल होता है और न ही दूसरे की सफलता स्वीकार कर पाता है। अत: ऐसे व्यक्ति से बच कर, निस्वार्थी, गैर लालची, धन के प्रति विरक्ती रखने वाले व्यक्ति को ही महासभा का ताज सौंपा जायें। उसकी कैबिनेट में (कार्यकारिणी में) पदाधिकारियों की फौज नहीं होनी चाहिये। अधिक से अधिक 21 या 31 ही सदस्य हों उनमें भी सेवानिवृत उच्च पदाधिकारियों की संख्या अधिक हो। शेष विशेष क्षेत्र के अनुभवी हों। ऐसा नहीं है कि इस प्रकार का व्यक्तित्व हमारे समाज में नहीं हैं। ऐसे व्यक्तियों से समाज भरा पड़ा है जिन सज्जनों ने ईमानदारी से उच्च पदों पर सरकारी सेवा करके सेवा निवृति ली है वे इस कसौटी पर खरे उतर सकते हैं क्योंकि उन्हें 'जूता कहां काटता है' का पता होता है। उसे सभी सरकारी विभागों का भीतरी ज्ञान भी लगभग-लगभग छोटा होता है। वह युवा भविष्य दृष्टा भी होता है उसके मन में युवाओं को आगे ले जाने की टीस भी होती है। वह उनका पथ प्रर्दशन भी कर सकता है। उसे धन का, जयकारों, फूल मालाओं, साफों का लालच भी इसलिये नहीं होता क्योंकि उसके अपने विगत जीवन में इन का अनुभव हो चुका होता है। एक ऐसा व्यक्तित्व भी जाना जाता है जिसने अपने प्रदेशाध्यक्ष काल में अपने प्रदेश की हर एक ग्राम, ढाणी, शाखा सभाओं की स्थापना करके जांगिड महासभा का नाम पूरे प्रदेश की छोटी से छोटी इकाई में भी प्रचारित करने का अधिक से अधिक भरसक प्रयत्न किया था। अपनी निष्ठा, परिश्रम और समाज के प्रति आस्था ने आज उन्हें राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था राज्य सभा की सदस्यता से विभूषित किया हुआ है। उन्हें रामचन्द्र जांगडा के नाम से जाना जाता है। ऐसे व्यक्ति समाज में बहुत मिल सकते हैं। हमें प्रयत्न अवश्य करना चाहिये। आइये खुली आंखों व खुले मन से महासभा भाग्य विधाता चुने। ऐसा नहीं है कि नामांकन भरने वालों में केवल भामाशाह ही हों अपितु कुछ मूर्धन्य सज्जन भी होंगे जिन में समाज सेवा की भावना कूट-कूट कर भरी है बेशक धनाभाव के कारण उनकी ज्यादा प्रसिद्धि न हो अत: हमे सभी नामांकित प्रतिभागियों को एक-एक करते हुए विचार करके ही अपने मत का प्रयोग करना चाहिये।

सम्पादक ओम प्रकाश सैवाल

प्रति,

श्रीमान् सम्माननीय मतदाता

विषयः- चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम प्रेषित करने बाबत्

सन्दर्भ- अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के ''प्रधान'' पद के चुनाव।

आदरणीय महोदय,

सादर वंदे,

उपरोक्त संदर्भित विषयांतर्गत आपको ''चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम'' महासभा की वेबसाईट एवं वॉट्सअप के माध्यम से पूर्व में प्रेषित किया जा चुका है। अतः आप संदर्भित विषय से पूर्णतः अवगत है। पुनः चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको सूचनार्थ प्रेषित है सादर।

संलग्न- चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम।

देवमणि शर्मा
मुख्य चुनाव अधिकारी
9891144411

कैलाश शर्मा (सालीवाले)
चुनाव अधिकारी
मो. 9829062211

प्रवीण शर्मा
चुनाव अधिकारी
मो. 9829062211

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा दिल्ली के ''प्रधान'' पद हेतु चुनाव कार्यक्रम

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा दिल्ली ''ऑब्जर्वर'' द्वारा जारी चुनाव अधिसूचना अनुसार दिनांक 02 जनवरी, 2022 रविवार को अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के ''प्रधान'' पद के चुनाव निम्नलिखित कार्यक्रम अनुसार सम्पन्न होंगे:-

मतदान (चुनाव) तिथि - 2 जनवरी - 2022 रविवार

सदस्यता की अंतिम तिथि - 1 नवम्बर - 2021 सोमवार

सदस्यता सूची प्रकाशन की अंतिम तिथि - 9 नवम्बर - 2021 मंगलवार

सदस्यता सूची मे त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि - 16 नवम्बर - 2021 मंगलवार

सायं - 5.00 बजे तक

1	नामांकन प्रस्तुति व वापसी स्थल:-	सी-49 बैसमैंट पंचशील इन्क्लेव नई दिल्ली (ऑब्जर्वर कार्यालय)
2	नामांकन प्रस्तुति तिथि:-	दिनांक 26,27 नवम्बर -2021, शुक्रवार तथा शनिवार, प्रात: 10.30 से सायं 4.00 बजे तक
3	नामांकन पत्रों की जाँच:-	28 नवम्बर 2021/समय 12.30 दोपहर
4	नाम वापिस लेने की तिथि-	29 नवम्बर 2021 सोमवार, प्रात: 11.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक
5	प्रत्याशियों की घोषणा:-	29 नवम्बर 2021 सोमवार सायं 5.00 बजे On- Website: www.abjbmahasabha.com तथा महासभा कार्यालय

यदि नामांकन वापसी दिनांक 29 नवम्बर 2021 सोमवार को केवल एक ही प्रत्याशी शेष रहेगा तब निर्विरोध ''प्रधान'' पद की घोषणा उसी दिन कर दी जाएगी।

यदि आवश्यक हुआ तो चुनाव दिनांक 2 जनवरी 2022 रविवार को प्रात: 9.00 बजे से 5.00 बजे तक विभिन्न राज्यों के अलग-अलग मतदान केन्द्रों पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया द्वारा गुप्त मतदान प्रक्रिया से सम्पन्न करवाये जाएंगे। मतदान-हेतु मतदान केन्द्रों का निर्धारण, मतदान अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति समयानुसार बाद में की जावेगी।

प्रत्याशियों एवं मतदाताओं से अनुरोध है कि महासभा के ''प्रधान'' पद हेतु नामांकन पत्र का प्रारूप तथा चुनाव सम्बन्धित आवश्यक दिशा निर्देश, सूचना एवं नियम चुनाव कार्यक्रम के साथ ही प्रकाशित है, जिनका भलिभांति अवलोकन कर लें।

अति आवश्यक सूचना (चुनाव सम्बन्धी)

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिनांक 08 अक्तूबर, 2021 W.P. (C) No. 11579/2021 में एक आदेश पारित किया है, जिसमें अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के "प्रधान" पद का चुनाव माननीय जस्टिस महोदय श्री कैलाश गम्भीर जी पूर्व न्यायाधीश बतौर आब्जर्वर (Observer) सम्पन्न करवाएंगे।

यह तय किया गया है कि मतदान करने का अधिकार उन्ही सदस्यों को होगा जो दिनांक 01 नवम्बर, 2021 तक महासभा के प्लेटिनम/स्वर्ण/रजत/विशेष संपोषक/संपोषक/संरक्षक/महिला एवं जांगिड ब्राह्मण पत्रिका रहित सदस्य होंगें। संपूर्ण मतदाता सूची दिनांक 09 नवम्बर, 2021 को महासभा कार्यालय दिल्ली में उपलब्ध रहेगी। साथ ही साथ अ. भा. जा. ब्रा. महासभा की website : abjbmahasabha.com पर भी upload कर दी जाएगी।

यदि किसी भी सदस्य को मतदाता सूची में आपत्ति हो तो दिनांक 15 नवम्बर, 2021 तक उपरोक्त आब्जर्वर महोदय जिनका पूरा विवरण सूचना के अन्त में दिया जा रहा है, संपर्क कर सकते हैं।

साथ ही सभी सदस्यों को यह भी सूचित किया जाता है कि माननीय आब्जर्वर न्यायमूर्ति श्री कैलाश गम्भीर जी ने निम्नलिखित चुनाव कार्यक्रम भी तय कर दिया है।

यह चुनाव कार्यक्रम संस्था की website पर 02 नवम्बर, 2021 तक upload कर दिया जाएगा एवं महासभा कार्यालय में भी उपलब्ध रहेगा।

–: चुनाव कार्यक्रम :–

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के "प्रधान" पद का चुनाव निम्नलिखित कार्यक्रमानुसार सम्पन्न होगा।

नामांकन प्रस्तुति तिथि –	दिनांक 26 एवं 27 नवम्बर 2021 समय प्रातः 10.30 से सांय 4.00 बजे तक
नामांकन प्रस्तुति स्थान –	आब्जर्वर महोदय का कार्यालय **Office – Justice Shri Kailash Gambhir** **C-49, Basement, Panchsheel Enclave,** **New Delhi**

नामांकन पत्रों की जांच –	दिनांक 28 नवम्बर, 2021 समय : **12.30 pm**
नाम वापसी (**Withdrawl**)	दिनांक 29 नवम्बर, 2021 समय : **11.00 am to 04.00 pm** **Office – C -49 Basement, Pancheel Enclave New Delhi**
प्रत्याशियों की घोषणा – (अंतिम सूची)	दिनांक 29 नवम्बर, 2021 समय : **5.00 pm (at website of Mahasabha)** एवं महासभा कार्यालय दिल्ली।
मतदान तिथि –	दिनांक **02** जनवरी, **2022**

नोट :– 1. ज्ञात रहे कि नामांकन प्रस्तुति के समय प्रत्याशी सहित अधिकतम 6 या 7 व्यक्ति ही माननीय आर्ब्जवर महोदय के कार्यालय में उपस्थित हों। ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि कायालय में अमन व शान्ति बनी रहे जिससे अन्य कार्यों में व्यवधान उत्पन्न न हो।

2. यदि जांच व नामांकन वापसी (**withdrawl**) दिनांक 29 नवम्बर, 2021 को केवल एक ही प्रत्याशी शेष रहे तो निर्विरोध "प्रधान" पद की घोषणा उसी दिन कर दी जाएगी।

3. यदि आवश्यक हुआ जब चुनाव दिनांक 02 जनवरी, 2022 को प्रातः 09:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक विभिन्न राज्यों के अलग–2 मतदान केन्द्रों पर लोकतांत्रिक प्रकिया से गुप्त मतदान द्वारा सम्पन्न करवाए जाएंगे। मतदान केन्द्रों की सूची मतदान तिथि के 15 दिनों पूर्व महसभा की website पर उपलब्ध करा दी जाएगी। सूची प्रकाशन महासभा पत्रिका में भी कर दिया जाएगा। यह सूची महासभा कार्यालय में भी उपलब्ध रहेगी।

4. दिनांक 02 जनवरी, 2022 को सायं 5:00 बजे मतदान पश्चात् उसी मतदान केन्द्र पर मतदान अधिकारी टीम द्वारा मतगणना करवायी जाएगी। प्रत्याशियों द्वारा प्राप्त मतों की गणना कर एक निश्चित फारमेट में लिख कर महासभा की आधिकारिक ईमेल एडरस : election.mahasabha@gmail.com तथा व्हाट्सअप पर चुनाव अधिकारी मंडल को प्रेषित करना होगा।

5. प्राप्त मतों का संकलन कर परिणाम माननीय आर्ब्जवर महोदय द्वारा दिनांक 2 जनवरी, 2022 को रात्रि 10.00 बजे तक घोषित किया जाएगा।

–: आदेशानुसार :–

Justice Sh. Kailash Gambhir

C-49 Basement, Panchsheel Enclave, New Delhi

महासभा "प्रधान" पद हेतु
आवश्यक दिशा निर्देश, सूचना एवं नियम

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के समस्त सम्माननीय प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत, विशेष सम्पोषक, सम्पोषक, संरक्षक, महिला एवं पत्रिका सहित संरक्षक सदस्यों सहित प्रत्याशियों से यह अपेक्षा की जाती है कि महासभा संविधान दिनांक 27 जनवरी 2013 सहित चुनाव हेतु जारी समस्त दिशा निर्देशों सूचना नियम एवं शर्तों का अवलोकन कर लेवें।

1. प्रत्याशी होने एवं मतदान करने का अधिकार महासमिति के उन्हीं सम्माननीय सदस्यों को होगा जो प्रधान पद के लिए सदस्यता की अंतिम तिथि 01 नवम्बर 2021 को रात्रि 12:00 बजे तक महासभा के प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत, विशेष सम्पोषक, सम्पोषक, संरक्षक, महिला एवं पत्रिका सहित संरक्षक सदस्य होंगे।
2. महासभा से पंजीकृत प्रदेश, जिला, तहसील, ब्लॉक तथा शाखा सभा एवं महासभा से मान्यता प्राप्त किसी भी संस्था को एक मत देने का नियमानुसार अधिकार प्राप्त होगा।
3. संविधान के नियम 12 उपनियम 5 के अनुसार महासभा के "प्रधान" पद के लिए प्रत्याशी को महासमिति का सदस्य होना अनिवार्य है। उसके प्रस्तावक व समर्थकों/अनुमोदकों को भी महासमिति का सदस्य होना अनिवार्य है।
4. संविधान के नियम 12 उपनियम 05 के अनुसार महासभा "प्रधान" पद के लिए प्रत्याशी की आयु कम से कम 50 वर्ष होनी चाहिए। आयु की गणना "प्रधान" पद के चुनाव की दिनांक 02 जनवरी 2022 के अनुसार होगी।
5. संविधान के नियम 12 उपनियम 6, 7 एवं 10 का अवलोकन कर लेवें। नियम 12 उपनियम 8 के अनुसार प्रत्याशी किसी भी न्यायालय से दण्डित तथा अपराधी व्यक्ति व शंकर रोगी महासभा "प्रधान" पद का प्रत्याशी नहीं हो सकेगा।
6. संविधान के नियम 14 उपनियम 9 के अनुसार महासभा "प्रधान" पद हेतु 21000/-रू अमानत राशि (चुनावी राशि) नामांकन पत्र के साथ जमा करानी होगी। अमानत राशि बैंक के डिमांड ड्राफ्ट से ही स्वीकार होगी। किसी भी दशा में नकद/चैक/आरटीजीएस/पेटीएम या अन्य किसी भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से स्वीकार नहीं होगी।
7. यदि कोई प्रत्याशी नामांकन भरने के पश्चात् अपना नामांकन पत्र वापस लेता है तो उसे नामांकन पत्र के साथ जमा की गई राशि महासभा कार्यालय द्वारा 15 दिवस के पश्चात् प्रदान कर दी जाएगी।
8. प्रत्याशी यदि अ. भा. जा. ब्रा. महासभा एवं इससे संबंधित प्रदेशसभा, जिलासभा, तहसील सभा, ब्लॉक सभा एवं शाखा सभा में पदाधिकारी है तो अवगत करवाना होगा एवं उस सभा के पद का "त्याग पत्र" संलग्न करना होगा। अतः प्रत्याशी निर्धारित दिनांक से पूर्व इसे तैयार रखें।
9. यदि प्रत्याशी महासभा या इससे संबंधित किसी भी संस्था में पदाधिकारी नहीं है तो उसे सादे कागज पर घोषित करना होगा कि "मैं महासभा से संबंधित किसी भी संस्था में पदाधिकारी नहीं हूँ" यह घोषणा पत्र नामांकन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
10. संविधान के नियम 14 उपनियम 10 के अनुसार प्रत्याशी को तत्कालीन प्रधान से हस्ताक्षर करवा कर **No Dues** प्रमाण पत्र एक सप्ताह पूर्व प्राप्त कर नामांकन पत्र के साथ संलग्न करना होगा। अतः प्रत्याशी समय पूर्व कार्यवाही कर निर्धारित दिनांक से पूर्व ही **No Dues** प्रमाण पत्र प्राप्त कर लेवें।
11. प्रत्याशी द्वारा हस्ताक्षरित 100रू के स्टॉम्प पेपर पर "शपथ पत्र" जिसमें यह उल्लेख होगा कि यदि वह "प्रधान" पद पर निर्वाचित होता है तो, अपने स्वयं के 3 वर्षीय कार्यकाल उपरांत आने वाली नवीन कार्यकारिणी को एक माह के अन्दर कार्य प्रभार (चार्ज) सौंप देगा। यह संलग्न कर

12. संविधान के नियम 12 उपनियम 20 के अनुसार चुनाव पश्चात् नवीन कार्यकारिणी को 15 दिन में चार्ज नहीं देने पर उसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने का महासभा को अधिकार होगा।

13. महासभा "प्रधान" पद हेतु नामांकन पत्र का शुल्क 1000/–रू निश्चित है।

14. मतदाता सूची प्रकाशन महासभा "प्रधान" चुनाव हेतु 09 नवम्बर, 2021 को सायं 5:00 बजे पश्चात् महासभा कार्यालय दिल्ली में अवलोकनार्थ उपलब्ध रहेगी तथा साथ ही महासभा की वेबसाइट www.abjbmahasabha.com पर भी उपलब्ध रहेगी।

15. मतदाता सूची सशुल्क 3/– रू प्रति पृष्ठ अनुसार महासभा कार्यालय दिल्ली में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकेगी।

16. मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि एवं संशय होने पर संशोधन की अंतिम दिनांक 16 नवम्बर, 2021 को सायंकाल 5:00 बजे तक महासभा कार्यालय दिल्ली को सूचित अथवा सम्पर्क कर अवगत करवा सकते हैं। उक्त दिनांक के पश्चात् किसी भी प्रकार का संशोधन सम्भव नहीं होगा और न ही किसी प्रकार के निवेदन पर कोई विचार ही किया जाएगा। संशोधित मतदाता सूची 23 नवम्बर, 2021 को सायं 5:00 बजे पश्चात् प्रकाशित होगी।

17. महासभा "प्रधान" पद के घोषित अंतिम सूची के प्रत्याशियों को मतदाता सूची निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी।

18. संविधान के नियम 14 उपनियम 6 के अनुसार विदेश में रहने वाले महासभा के सदस्य अपने मत का उपयोग चुनाव अधिकारी को ई–मेल के द्वारा कर सकेंगे।

19. महासभा के सभी प्रकार के सम्माननीय सदस्यों को मतदाता सूची में त्रुटि एवं सुधार तथा संशय निराकरण का पर्याप्त समय दिया गया है, अतः मतदान करने का अधिकार केवल उन्हीं सम्मानित सदस्यों को दिया जाएगा जिनका नाम मतदाता सूची में प्रकाशित होगा।

20. चुनाव दिनांक को मतदान समाप्त होने के पश्चात् निर्धारित सभी बूथों के पर्यवेक्षकों के द्वारा प्रेषित चुनाव परिणाम महासभा कार्यालय में प्राप्त होने पर ही आर्ब्जवर महोदय द्वारा चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा।

21. चुनाव संबन्धी किसी भी प्रकार के संशय का निराकरण चुनाव अधिकारी मंडल, महासभा कार्यालय से संपर्क कर किया जा सकता है।

22. अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा "प्रधान" पद के चुनाव संबन्धी उपरोक्त के अतिरिक्त और भी दिशा निर्देश सूचना एवं नियम तथा शर्तें आदि हैं जो चुनाव प्रकिया के अनुरूप आर्ब्जवर महोदय के आदेशानुसार जारी किए जाएंगे।

अ. भा जां ब्रा महासभा दिल्ली के संविधान की अनुपालना में "प्रधान" पद आगामी तीन वर्ष कार्यकाल हेतु माननीय आर्ब्जवर महोदय द्वारा जारी चुनाव अधिसूचना के अनुसार महासभा प्रधान के पद का चुनाव कार्यक्रम उपरोक्तानुसार घोषित किया गया है। अतः सभी प्रत्याशी एवं मतदाताओं से विनम्र अनुरोध है कि वे शांति पूर्ण एवं सामाजिक प्रतिष्ठा को बनाए रखते हुए चुनाव कार्यक्रम के सभी चरणों में भाग लेवें तथा किसी भी प्रकार से समाज के गौरवमयी इतिहास को ठेस नहीं पहुचने दें।

चुनाव अधिकारी मंडल

देवमणी शर्मा
मुख्य चुनाव अधिकारी

प्रवीण शर्मा
चुनाव अधिकारी

कैलाश शर्मा
चुनाव अधिकारी

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली
(रजि. क्रमांक-एस 27/1919)
महासभा के ''प्रधान'' पद का चुनाव
दिनांक 02 जनवरी 2022 रविवार

चुनाव अधिकारी मण्डल की नामांकन रिपोर्ट

माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 08 अक्टूबर 2021 WP (C) No. 11579/2021 में पारित आदेश अनुसार अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के ''प्रधान'' पद का चुनाव माननीय जस्टिस महोदय (सेवा निवृत्त) श्री कैलाश जी गंभीर के निर्देशन में बतौर आब्जर्वर सम्पन्न होना है।

माननीय आब्जर्वर जस्टिस श्री कैलाश गंभीर द्वारा पूर्व घोषित चुनाव कार्यक्रम का अनुसार महासभा ''प्रधान'' पद हेतु नामांकन प्रक्रिया निर्धारित समयानुसार दिनांक 26 नवम्बर 2021 से दिनांक 29 नवम्बर 2021 तक स्थान ''आब्जर्वर महोदय का कार्यालय-सी 49, बेसमेन्ट पंचशील एन्क्लेव नई दिल्ली'' में सम्पन्न हुई।

महासभा के सम्माननीय सदस्यों से प्रधान पद हेतु नामांकन दिनांक 26 एवं 27 नवम्बर 2021 को प्रात: 10.30 से सांय काल 4.00 बजे तक आमंत्रित किये गये। दिनांक 27 नवम्बर 2021 को सांयकाल 4.00 बजे तक निम्न सदस्यों ने नामांकन पत्र भरकर प्रस्तुत किये।

क्र.	नाम	पिता / पति का नाम	पता
1.	श्रीमती पुष्पा शर्मा	श्री हुकुमचंद शर्मा	पटेल नगर, गुड़गांव (हरियाणा)
2.	श्री सत्यनारायण शर्मा	श्री भगवान सहाय शर्मा	वेस्ट- सागरपुर, नई दिल्ली
3.	श्रीमती संतोष देवी	श्री रामरतन जांगिड	रामपुरा, जयपुर (राज.)
4.	श्री किशनलाल	श्री बाबुलाल	नयागांव, कोटा (राज.)
5.	श्री महेन्द्र कुमार सुथार	श्री काशीराम सुथार	फलूदी, श्रीगंगानगर (राज.)
6.	श्री लादुराम शर्मा	श्री लक्ष्मणराम शर्मा	खानपुर, नई दिल्ली
7.	श्री रामपाल शर्मा	श्री गोवर्धनलाल शर्मा	बैंगलोर (कर्नाटक)
8.	श्री सुशील कुमार शर्मा	श्री महादेव शर्मा	कोलकाता (पश्चिम बंगाल)

नामांकन पत्रों की जांच दिनांक 28 नवम्बर 2021 को दोपहर 12.30 बजे से प्रारंभ हुई जिसमें उपरोक्त सभी नामांकन पत्र सही पाये गये।

नाम वापसी प्रत्याशीयों की घोषणा तथा चुनाव चिन्ह आवंटन हेतु दिनांक 29 नवम्बर 2021 निर्धारित थी। नाम वापसी के हेतु निर्धारित समय प्रात: 11.00 बजे से

सायंकाल 4.00 बजे के मध्य निम्नलिखित सदस्यों ने अपने नाम वापस ले लिये एवं स्वयं को महासभा प्रधान पद चुनाव से पृथक कर लिया।

क्र.	नाम	पिता / पति का नाम	पता
1.	श्री सुशील कुमार शर्मा	श्री महादेव शर्मा	कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
2.	श्री लादूराम शर्मा	श्री लक्ष्मणराम शर्मा	खानपुर, नई दिल्ली
3.	श्रीमती संतोष देवी	श्री रामरतन जांगिड	रामपुरा, जयपुर (राज.)
4.	श्रीमती पुष्पा शर्मा	श्री हुकुमचंद शर्मा	पटेल नगर, गुड़गांव (हरियाणा)

उपरोक्तानुसार नाम वापसी के पश्चात सांयकाल 5.00 बजे शेष रहे सदस्यों को महासभा ''प्रधान ''पद चुनाव हेतु प्रत्याशी घोषित कर दिया तथा उन्हें निम्नानुसार चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिये। चुनाव चिन्ह सभी प्रत्याशीयों को ई-मेल द्वारा भी प्रेषित कर दिये गये एवं सभी प्रत्याशीयों को सम्पूर्ण मतदाता सूची निशुल्क उपलब्ध करा दी गई।

महासभा प्रधान पद हेतु प्रत्याशीयों के नाम एवं उनके चुनाव चिन्ह

क्र.	नाम	पिता का नाम	चुनाव चिन्ह
1.	किशनलाल जांगिड	बाबुलाल जांगिड	
2.	महेन्द्र कुमार सुथार	काशीराम	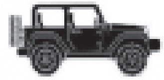
3.	रामपाल शर्मा	गोर्वधनलाल शर्मा	
4.	सत्यनारायण शर्मा	भगवान सहाय शर्मा	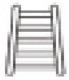

देवमणी शर्मा
मुख्य चुनाव अधिकारी

प्रवीण शर्मा
चुनाव अधिकारी

कैलाश शर्मा (सालीवाले)
चुनाव अधिकारी

दिनांक- 29 नवम्बर 2021
स्थान - सी 49, बेसमेन्ट
पंचशील एन्क्लेव नई दिल्ली

जस्टिस कैलाश गंभीर
(सेवा निवृत्त)

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. - 27/1919

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाष : 011-42420443, 011-42470443

Website: www.abjbmahasabha.com, e-mail: election.mahasabha@gmail.com

क्र. महासभा प्रधान चुनाव 2022/   दिनांक- ....

विषय - **मतदान केन्द्र का निर्धारण, पर्यवेक्षक एवं मतदान अधिकारियों की नियुक्ति।**

संदर्भ - महासभा प्रधान पद का चुनाव।

महोदय,

उपरोक्त संदर्भित विषयांतर्गत लेख है कि अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के प्रधान पद का चुनाव दिनांक 02 जनवरी 2022 को प्रजातांत्रिक तथा गुप्त मतदान प्रक्रिया से विभिन्न मतदान केन्द्रों पर होना है। जिसमें आपके निम्नानुसार सहयोग की अपेक्षा है।

1. महासभा प्रधान का चुनाव एक वृहत कार्यक्रम है। जिसके लिये मतदान केन्द्रों का निर्धारण तथा मतदान केन्द्र प्रभारी की नियुक्ति की जाना है। अत: कृपया अपने प्रदेश के मतदान केन्द्रों (बूथ) की सूची मतदान केन्द्र तथा मतदान केन्द्र प्रभारी के नाम उनके मोबाईल नंबर सहित उपलब्ध करावें।
2. इस क्रम में मतदान केन्द्रों पर निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान सम्पन्न कराने हेतु पर्यवेक्षक एवं मतदान अधिकारियों की भी नियुक्ति की जाना है। प्रत्येक मतदान केन्द्र पर 1 पर्यवेक्षक जो प्रदेश/जिले से बाहर के होंगे तथा 3 स्थानीय मतदान अधिकारी होंगे। पर्यवेक्षक एवं मतदान अधिकारियों के नाम, महासभा सदस्यता क्रमांक, मोबाईल नं. तथा पते सहित उपलब्ध करावें।
3. उपरोक्त बिन्दु क्रमांक 1 व 2 से संबंधित जानकारी अधिकतम 07 दिसम्बर 2021 तक चुनाव अधिकारी मण्डल को महासभा कार्यालय में अनिवार्यत: उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

भवदीय

देवमणि शर्मा	प्रवीण शर्मा	कैलाश शर्मा सालीवाले
मुख्य चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी

प्रदेशाध्यक्ष के सम्मान समारोह का आयोजन

टोंक पीपलू अखिल राजस्थान जांगिड ब्राह्मण अधिकारी कर्मचारी महासंघ तहसील शाखा उनियारा व श्री विश्वकर्मा मंदिर विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में अधिकारी कर्मचारी महासंघ के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राजाराम जांगिड व उनकी कार्यकारिणी सदस्यों का उनियारा आगमन पर स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रदेश अध्यक्ष राजाराम जांगिड ने भगवान विश्वकर्मा के सामने दीप प्रज्वलित कर की। विश्वकर्मा मंदिर उनियारा में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष राजाराम जांगिड का महासंघ के तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश जांगिड समरावता व मंदिर समिति के अध्यक्ष रमेश जांगिड ने साफा पहना माला पहना दुपट्टा डालकर स्वागत सत्कार किया। साथ ही प्रदेश कोषाध्यक्ष परमेश्वर जी जांगिड का भी स्वागत सत्कार किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राजाराम जांगिड ने कहा कि शिक्षा से ही समाज का विकास संभव है, जो समाज शिक्षा में उन्नति करेगा वही समाज विकास के पथ पर अग्रसर होगा।समारोह में जांगिड ब्राह्मण महासभा के तहसील अध्यक्ष रामधन जांगिड, कर्मचारी महासंघ के तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश जांगिड, विश्वकर्मा मंदिर विकास समिति अध्यक्ष रमेश जांगिड, लल्लू लाल जांगिड प्रदेश सचिव, घनश्याम जांगिड जिला उपाध्यक्ष, मनोरंजन जांगिड, शंभू दयाल जांगिड, मुकेश जांगिड राधेश्याम जांगिड,कैलाश चन्द जांगिड, दिमान्शु जांगिड,विश्वकर्मा मंदिर पुजारी गोविंद शर्मा, सहित अनेक जांगिड समाज बंधु उपस्थित थे।

कृष्ण कुमार जांगिड पत्रकार, पीपलू जिला टोंक राजस्थान, 9950938072

विश्वकर्मा दिवस

जांगिड ब्राह्मण जिला सभा झज्जर के प्रधान मनमोहन खंडेलवाल ने कहा है कि कोई भी समाज राजनैतिक भागीदारी के बिना प्रगति नहीं कर सकता है। आज समय की पुकार है कि विश्वकर्मा समाज संगठित हो और अपनी राजनैतिक व प्रशासनिक हिस्सेदारी डंके की चोट पर हासिल करें। मनमोहन खंडेलवाल बेरी में भगवान विश्वकर्मा दिवस समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जांगिड़ समाज राजनैतिक हिस्सेदारी के मामले में आज भी काफी पीछे है। इसलिए समाज को आर्थिक पक्ष के साथ-साथ राजनैतिक पक्ष मजबूत करने पर बल देना होगा।जिला प्रधान मनमोहन खंडेलवाल ने कहा कि विश्वकर्मा समाज को जन्मजात टेक्निकल महारत हासिल है। समाज में ऊर्जा व हुनर की कोई कमी नहीं है लेकिन अहंकार, आपसी फूट व हीन भावना के कारण समाज राजनैतिक, आर्थिक व सामाजिक दृष्टि से पिछड़ा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्मशाला प्रधान जोरा सिंह जांगड़ा ने की

सम्पादक

अखिल भारतीय जांगिड़ महासभा के राष्ट्रीय प्रधान का चुनाव 2 जनवरी 2022 को होना निर्धारित।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के सभी सम्मानित सदस्य हमारे समाज की धरोहर हैं। महासभा के 114 वर्षो के स्वर्णिम इतिहास में इस महासभा रुपी पौधे को वटवृक्ष बनाने में समाज के छोटे से छोटे व्यक्ति से लेकर समाज के बड़े से बड़े महानुभावों का अमूल्य योगदान रहा है।

जैसा कि आप सबको विदित है कि महासभा के राष्ट्रीय प्रधान का चुनाव 2 जनवरी को होना निश्चित हुआ है। इस महायज्ञ में भाग लेने के लिए 10 महानुभावों ने महासभा के प्रधान पद के लिए फार्म प्राप्त किए थे। 26 और 27 नवंबर को कुल 8 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे इनमें गुरुग्राम से श्री मती पुष्पा शर्मा, कोटपुतली से श्री सत्यनारायण शर्मा, जयपुर से श्रीमती सन्तोष देवी, कोटा से महेंद्र कुमार सुथार, गंगा नगर कोटा से श्री किशन लाल, बैंगलुरू से श्री राम पाल शर्मा, कोलकाता से सुशील शर्मा,और 28 नवम्बर को नामांकन पत्रों की जांच के पश्चात सभी के नामांकन पत्र सही पाए गए। 29 सितम्बर को नाम वापसी के पश्चात केवल चार उम्मीदवार प्रधान पद के लिए अपना भाग्य आजमा रहे हैं। 1 श्री किशन लाल जांगिड 2 श्री महेन्द्र कुमार सुथार 3 श्री रामपाल शर्मा 4 श्री सत्य नारायण शर्मा शामिल हैं।

महासभा के राष्ट्रीय प्रधान के चुनाव न्यायाधीश कैलाश गम्भीर के मार्ग दर्शन और दिशा निर्देशन में हो रहे हैं। इस चुनाव को सम्पन्न करवाने का दायित्व मुख्य चुनाव अधिकारी, श्री देवमणि शर्मा, चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा नीमच और कैलाश शर्मा साली वाले जयपुर के सहयोग से निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न करवाने का दायित्व सौंपा गया है।

महासभा के प्रतिष्ठित चुनाव इस समाज के वैभव और गरिमा से जुड़े हुए हैं। जहां तक संभव हो सके तो आपस में मिल जुल कर आपसी वैमनस्य, विषमता और कटुता की भावना का परित्याग करके समाज को गौरवान्वित करने वाला कदम उठाए। महासभा के राष्ट्रीय प्रधान के चुनाव तो आते जाते रहते हैं , लेकिन एक बार अगर समाज का भाई चारा और आपसी सहयोग और तादात्म्य बिगड़ गया तो इस अपराध की आत्मग्लानि का बोध जीवनभर एक बोझ बन कर आत्मा को सालता रहेगा।

सम्पादक होने के नाते मैं आप सबसे एक विनम्र निवेदन करना चाहता हूं कि आज कल सोशल मीडिया पर चल रही परिचर्चा पर अपना ध्यान केंद्रित करने की अपेक्षा व्यर्थ और गलत टिप्पणी किसी के प्रति ना करें चाहे वह समाज का कितना भी छोटा हो या बड़ा महानुभाव हो। हम सभी भगवान विश्वकर्मा जी की सन्तान हैं और एक दूसरे पर किया गया दोषारोपण आप पर भी लागू होगा।

आप सबसे विनम्र निवेदन है कि आपसी कटुता की भावना का परित्याग करके समाज को एकता के सूत्र में बांधने का मूल मंत्र जो हमारे पूर्वजों ने दिया था उसका अनुपालन करते हुए समाज में आपसी सहयोग एकता, सौहार्द्र और भाईचारे का शंखनाद गूंज सके और हम सभी मिलकर अपने पूर्वजों के सपनों को साकार कर सकें।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इस चुनाव प्रक्रिया के प्रारम्भ होने के पश्चात भी काफी समय है ।सभी आपस में मिलकर एक ऐसा फैसला लेंगे जिससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाए और सभा की गरिमा द्विगुणित हो सके।

ओमप्रकाश सैवाल।

जांगिड विद्यार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट

(रजि. 12110)

JANGID VIDARTHI CHARITABLE TRUST

(Regd. 12110)

पंजीकृत मुख्य कार्यालय : 159/34, विश्वकर्मा नगर रोहतक (हरियाणा)

Regd. Head Office : 159/34, Vishwakarma Nagar Rohtak-124001 (Haryana) M. : 9466858522

पत्र क्रमांक :.............................. दिनांक.............................

आदरणीय समस्त जांगिड़ ब्राह्मण समाज

जय श्री विश्वकर्मा जी

आप सभी को सहसम्मान सहित सूचित किया जाता है जैसा कि आप सभी को मालूम है जांगिड़ विद्यार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा हर साल पारितोषिक वितरण समारोह नवंबर या दिसंबर में किया जाता है। इस साल भी समारोह दिसम्बर में किया जाएगा समारोह में समाज के बच्चों को सम्मानित किया जाता है व आर्थिक रूप से कमजोर छात्र छात्राओं को आर्थिक सहायता दी जाती है ट्रस्ट द्वारा निम्नलिखित सहायता छात्रों को दी जाती है।

[1] छात्र, छात्रा ने 2021में +2 में 80% से उपर अंक प्राप्त किए हों तथा +2के बाद उच्च शिक्षा हेतु कालेज में या किसी कोर्स में दाखिला लिया हो। ऐसे सभी छात्र छात्राओं को सम्मान, प्रोत्साहन पुरस्कार, प्रतीक चिन्ह मैडल दे कर सम्मानित किया जाता है।

[2] कुछ छात्र प्रतिभावान है परन्तु आर्थिक रूप से कमज़ोर है। ये छात्र- छात्राएं आर्थिक अभाव के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। ऐसे छात्र छात्राओं को संस्था के द्वारा गोद लेकर उच्च शिक्षा का पूरा खर्च संस्था द्वारा वहन किया जाता है। पैसे के अभाव में किसी छात्र की पढ़ाई नहीं रूकनी चाहिए।

सभी छात्र, छात्राओं, अभिभावकों, समाज बन्धुओं से अनुरोध है यह जानकारी सभी तक पहुंचाएं।

फार्म भरे जा रहे हैं। अंतिम तिथि

Off Line - 10-12-2021

On Line - 15-12-2021 (ऑनलाइन आवेदन के लिए कृपया www.jvct.in देखें)

यदि आपको ऑनलाइन फॉर्म जमा करने में कोई समस्या है तो कृपया सुमित जांगड़ा से संपर्क करें।

ईमेल-आईडी sumit@jvct.com पर संपर्क करें या 9050004580 पर व्हाट्सएप करें।

धन्यवाद

कृष्ण कुमार आसौदा, चेयरमैन
M – 9711333006

हीरालाल जी, डि.चेयरमैन
M - 7673264091

मा० जगदीश शर्मा, सचिव
M - 9871905322

रामेश्वर दास, कोषाध्यक्ष
M – 8814044808

सुमित जांगड़ा, सह सचिव
M – 9050004580

Note: Address for offline application : Krishan Kumar Jangra H No 3, Gali No 3, Munirka Kunj, Dinpur Extn.Near Goyla Mor Najafgarh New Delhi 110043, India | Contact Number - 9711333006

जांगिड विद्यार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि०)

दिनांक : रविवार 26 दिसम्बर 2021

समारोह स्थान : महासभा भवन, नजदीक मैट्रो स्टेशन, मुण्डका, नई दिल्ली

प्रार्थना-पत्र सत्र वर्ष 2021-22

(आर्थिक सहायता व पारितोषिक के लिए जिन विद्यार्थी ने +2 में वर्ष 2021 में 80% से ऊपर अंक प्राप्त किए है। व केवल वर्ष 2021 में ही किसी कक्षा/कोर्स में दाखिला लिया है, वे ही आवेदन करें।)

(ट्रस्ट से 2019 मे सहायता प्राप्त कर चुके विद्यार्थी जिसने वर्ष 2021 में 80% अंक प्राप्त किये वे भी आवेदन कर सकते है)

1. विद्यार्थी का नाम...2. कक्षा/कोर्स..............................
3. स्थाई पता..
4. पिता का नाम..........................5. व्यवसाय..................................6. सालाना आय..........................
7. पिता/माता यदि नौकरी में है तो पद.................................वेतन प्रति माह..................................
8. संस्था का नाम जहाँ पढ़ रहे है...संस्था का दूरभाष नं0..........................
9. पास की गई +2 परीक्षा मत % अंको सहित...

अनुमोदन :– ट्रस्ट के दो आजीवन सदस्य या किन्ही दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा।
मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि विद्यार्थी वास्तव में आर्थिक सहायता का पात्र है।

क्र.सं.	सदस्य/प्रतिष्ठित का नाम	पता	दूरभाष नं0	हस्ताक्षर

मैं शपथपूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि उपरोक्त जानकारियाँ पूर्ण रूप से सत्य है व सही है। इसके लिए मैं जिम्मेवार हूँ। मैं जा0वि0 चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रति निष्ठावान रहूँगा/रहूँगी। सक्षम होने पर ट्रस्ट की सदस्यता ग्रहण करूंगा/करूंगी और आर्थिक सहायता करूंगा/करूंगी।

पिता/संरक्षक के हस्ताक्षर
मो0 ....

प्रार्थी के हस्ताक्षर
मो0 ....

निम्नलिखित दस्तावेज की फोटोप्रति जरूर संलग्न करें :–

1. +2 व पिछली कक्षा की अंक तालिका, 2. जाति प्रमाण पत्र 3. आधार कार्ड 4. दाखिला फीस रसीद, 5. पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र, यदि जिन्दा नहीं है। 6. सैलरी सर्टिफिकेट यदि पिता/माता नौकरी में है।

नियम/शर्तें :–

1. आर्थिक सहायता सत्र 2021 के लिए दी जाएगी।
2. यदि कोई विद्यार्थी संस्था के अध्यापक/ट्रस्ट के पदाधिकारी से दुर्व्यहार करता है या बुरी संगत /आज्ञा उल्लघंन/चोरी/हेरा–फेरी करता पाया गया तो सहायता तुरन्त प्रभाव से रोक दी जाएगी।
3. ट्रस्ट के किसी प्रकार के मसलो में चेयरमैन/शासकीय निकाय का फैसला अन्तिम होगा।
4. **जिन विद्यार्थियों ने जिला/राज्य/ राष्ट्रीय स्तर पर कोई पदक प्राप्त किया हैउनका विशेष सम्मान किया जायेगा।**

चेयरमैन : कृष्ण कुमार आसीदा	डिप्टी चेयरमैन : हीरा लाल जांगिड	सचिव : मा. जगदीश शर्मा	कोषाध्यक्ष : राजेश्वर दास
9711333006	9911921473	9871905322	8814044808

नोट : फार्म भरने की तिथि ऑनलाईन 10–9–2021 से 30–11–2021
ऑफलाईन 10–9–2021 से 15–11–2021 अंतिम तिथि के बाद कोई फार्म स्वीकार नहीं किया जायेगा।

कार्यालय : म.नं. 3, गली नं. 3, मुनीरका कुंज, नियर दीनदारपुर गाँव, नजफगढ़, नई दिल्ली–43

ऑनलाईन फार्म भरने के लिए इस साईड पर जाएं : **http://ivct.in**

राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगडा विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर नारनौंद पंहुचे

राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा नारनौंद में 5 नवंबर को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर भगवान विश्वकर्मा को नमन करते हुए।

भारत देश विभिन्न संस्कृतियों, धर्म और आस्थाओं का देश है यहां विभिन्न संस्कृतियां एक माला में विभिन्न मनकों के रूप में गुंथी हुई है और मोतियों की तरह पिरोई हुई है और यही विभिन्नता में एकता ही हमारी असली ताकत है।

यह उद्‌गार राज्यसभा सांसद श्री राम चन्द्र जांगड़ा ने जांगिड़ समाज द्वारा 5 नवंबर को भगवान विश्वकर्मा पूजन दिवस मनाए जाने के अवसर पर नारनौंद में जांगिड़ धर्मशाला की आधारशिला रखने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। समाज के लोगों की तरफ से उन्हें पगड़ी बांध कर सम्मानित किया गया।

सांसद ने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सृष्टि के रचयिता, कला और प्रौद्योगिकी के जनक भगवान विश्वकर्मा ने इस संसार को शिल्प और विज्ञान का ज्ञान दिया है। भगवान विश्वकर्मा ने जो बड़े-बड़े प्रासाद और आयुधों के यन्त्रो का निर्माण करके अदभुत कौशल का परिचय दिया है और जांगिड़ समाज एक ऐसा समाज है जिसने भगवान विश्वकर्मा के कला और शिल्प के ज्ञान को आत्मसात करते हुए। देश में एक विशेष पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा महान देश है जहाँ इस देश में जितने भी महापुरुष हुए हैं उन्होंने हमेशा ही समता और समानता का पाठ पढ़ाया है और सभी सन्त महात्माओं का एक ही उद्देश्य है, और वह है, मानव का कल्याण। वह चाहे किसी भी जाति या धर्म से सम्बन्धित हो।

श्री जांगडा ने कहा कि आज नारनौद में वह मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर के प्रतिनिधि के रूप में आएं हैं और हरियाणा प्रदेश में ही नहीं अपितु देश में भी सभी महापुरुषों की जिनमें सन्त शिरोमणि गुरु रविदास, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर व महर्षि बाल्मीकि सहित अनेक महापुरुषों की जयंती भी राष्ट्रीय स्तर पर मनाई जा रही हैं। आज भगवान विश्वकर्मा की जयंती है और देश की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा हमें एक दूसरे के आराध्य देवता, का सम्मान करना सिखाती है।

उन्होंने कहा कि आज मैं इस पुनीत अवसर पर यहां मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर आया हूं और मैं इस धर्मशाला के निर्माण के लिए 11 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की

घोषणा करता हूं। उन्होंने दोहराया कि इसके अतिरिक्त मुझे किसी भी समाज की धर्मशाला या चौपाल के लिए बुलाया जाएगा तो मैं वहां भी दिल खोलकर अनुदान राशि देकर आऊंगा। चाहे वह किसी भी जातीय समाज से संबंध रखते हो। हरियाणा की महान सांस्कृतिक धरोहर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब किसानों के खेतों में अनाज निकलता था तो सभी के हिस्से अलग-अलग निकाल दिए जाते थे। शेष बचा हुआ आनाज ही किसान अपने घर ले जाता था। किसी भी समाज की बेटी पूरे गांव की बेटी होती है चाहे वह किसी भी जाति से संबंध रखती हो। समाज में एक दूसरे का बोझ कम करने के लिए न्योता-निंधार देने की परंपरा शुरू की गई थी। बड़े से बड़ा कार्य भी समाज में एक दूसरे से मिलकर पूर्ण कर लिए जाते हैं। आपस में किसी प्रकार का जाति भेदभाव नहीं होता था। लेकिन आज समय बदल रहा है और समाज को बदलते हुए परिवेश के अनुसार अपने आप को ढालने की जरूरत है।

इस अवसर पर जांगिड़ सभा नारनौंद के प्रधान रामकुमार जांगड़ा ने सांसद महोदय को पगड़ी पहना कर सम्मानित किया और भरोसा दिलाया कि यह धर्मशाला जांगिड समाज में एकता का सूत्रपात करने में सहायक होगी।

हरकेश जांगिड पत्रकार, नारनौंद

पंचकूला में मनाया गया विश्वकर्मा पूजन दिवस

समारोह के मुख्य अतिथि ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा शिल्प कला और प्रौद्योगिकी के नेता हैं, जिन्होंने विश्व को कला कौशल का ज्ञान दिया। सोने की लंका और द्वारकापुरी तथा अमरावती का निर्माण भी उन्होंने ही किया था। उन्होंने सभा को 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। हरियाणा के सूचना आयुक्त चन्द्र प्रकाश ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि , जो सभा रुपी पौधा वर्ष 1998 में लगाया गया था आज इसने एक वट वृक्ष का रूप धारण कर लिया है। इस सभा को आज इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए जिन समाज के कर्णधारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उनमें सभा के संस्थापक प्रधान बलबीर सिंह जांगडा, पूर्व प्रधान राम फल, राम भगत शर्मा और धर्मबीर जांगिड़ और उनकी टीम का अमूल्य योगदान रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि जिस जगह पर आज इस समारोह का आयोजन हो रहा है। इस प्लाट को अलाट करवाने में भी मेरा योगदान रहा है। मेरे पास सभा के पदाधिकारी मेरे पास लघु सचिवालय में आए और मुझे खुशी है कि मैं अपनी क्षमता के अनुसार सभा की यह प्लाट अलाट करवाने में मदद कर पाया। यह पहले

और किसी संस्था को अलाट हुआ था। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी से यह अलाट करवाया गया।

अब मुझे उम्मीद है कि यह भवन थोड़े समय में बनकर तैयार हो जायेगा और बाहर से आने वाले समाज बंधुओं के ठहरने की समुचित व्यवस्था हो सकेगी। मेरा वर्तमान कार्यकारिणी से भी आग्रह कि अपने स्वार्थ की भावना का परित्याग करके समाज को एकता के सूत्र में बांधने का प्रयास करें।

उप सम्पादक राम भगत शर्मा

जय श्री विश्वकर्मा जी

आज बुलढाणा में प्रदेश सभा महाराष्ट्र संबद्ध अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा जिला कार्यकारिणी की द्वितीय त्रैमासिक सभा और बुलढाणा जिला कार्यकारिणी का शपथ समारोह आयोजित किया गया। जिसमे सभी जिलो से अच्छी उपस्थिति रही।

प्रदेश सभा के भीष्मपितामह पूर्व प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहनलालजी चाँदवड्, श्री लक्ष्मीनारायण जी नाशिक, श्री चम्पालाल जी बुलढाणा, श्री सांवर मल जी खामगांव, श्री प्रह्लादजी चिखली, प्रदेश महामंत्री श्री मदनलाल जी औरंगाबाद, कोषाध्यक्ष श्री श्यामलालजी सारण औरंगाबाद, मराठवाडा वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री नवरतन जी परली, श्री मिश्रीलाल जी पुणे, श्री प्रदीपजी पुणे, श्री अशोकजी शर्मा, श्री भवानी शंकरजी जांगिड़, श्री बाबूलाल जी गोठडीवाल, श्री रामजीलाल जांगिड़, श्री प्रकाश चोयल औरंगाबाद, श्री गजानंद जी जांगिड़ जालना, श्री किशोर जी जांगिड़ भोकरदन, प्रदेश से पधारे हुवे सभी जिलाध्यक्ष, प्रदेश व कार्यकारिणी सदस्य, व सभी पधारे हुवे महानुभावो का तहेदिल से आभार मानता हूं आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

बुलढाणा जिला अध्यक्ष श्री पूरनमल जी एवम् उनकी कार्यकारिणी साथ में बुलढाणा जिला से सभी समाज बंधु एवम् मातृशक्ति सभी को सादर नमन जय श्री विश्वकर्मा, आज के आयोजन को सफलता मिलने पर आप सब का भारी योगदान रहा, तहेदिल से साधुवाद, व आभार व्यक्त करता हूं।

प्रदेश सभा को मजबूत बनाने में आप का मिला सहयोग को मैं हमेशा याद रखूंगा, आशा करता हूं जल्द ही हम अपनी प्रदेश सभा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान पर लाएंगे।

प्रदेश में आगामी जनवरी में होने वाले जिलों के चुनाव की अधिसूचना आगामी नवंबर की गजेट में प्रेषित होगी साथ ही महा सभा के होने वाले माननीय प्रधान के चुनाव प्रक्रिया को पूरे राज्य में सदभाव पूर्ण करवाएंगे।

महाराष्ट्र राज्य में समाज के बच्चों कि शिक्षा क्षेत्र को बढ़ावा मिले व प्रदेश स्तर का छात्रावास की सुविधा एवम् प्रादेशिक आफिस व सभागृह की व्यवस्था के लिए पुरजोर प्रयास की प्राथमिक तैयारी के लिए समाज के कार्यकर्ता एवम् संरक्षक मंडल एवम् प्रदेश के भामाशाहों से लगातार सम्पर्क है जो जल्द ही प्रथम प्रयास से आगे बढ़ने की सहमति मिलेगी ये ही अपेक्षाओं के साथ।

रोहिताश जांगिड
प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र

महान संत और अंगिरा कुल के ऋषि स्वामी कल्याण देवी जी

सन्त शिरोमणि, महान संत परम्परा के ध्वज वाहक, अंगिरा कुल के महान ऋषि , पद्म भूषण और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित, सच्चाई सादगी और विनम्रता की प्रतिमूर्ति स्वामी कल्याणदेव एक ऐसे महान युगपुरुष और कर्मयोगी थे। जिनका जन्म ही इस धरा पर मानव कल्याण के लिए हुआ था।

यह देश महान सन्त- महात्माओं और पीर-पैगम्बरों की धरा है, जहां मानव कल्याण और साधु-महात्माओं को सन्यास से बचाने के लिए भगवान को भी अवतार ग्रहण करना पड़ा। स्वामी कल्याणदेव का जन्म भी मानव का कल्याण करने के लिए ही हुआ था। और उन्होंने अपने सामर्थ्य और दूरदर्शिता तथा लोगों के सहयोग और समर्थन से वह करिश्मा कर दिखलाया जो बड़े-बड़े धनाढ्य पुरुष और राजनीतिज्ञ नहीं कर पाते हैं।

अंगिरा ऋषि की कुल परम्परा में स्वामी कल्याणदेव का जन्म 1876 में गांव कोताना जिला बागपत में माता भोई देवी की गर्भ से हुआ और इनके पिता का नाम पेरु दत्त था। उनका बचपन का नाम कालूराम था।

स्वामी जी का पैतृक गांव मुंडभर कस्बा सिसौली के पास है। उनका भगवान के प्रति अनुराग और अनन्य भक्ति तथा आस्था इतनी गहरी थी कि 12 वर्ष की आयु में ही घर-बार त्याग कर वह प्रभू की खोज में निकल पड़े। जो आयु बच्चों के खेलने-कूदने की होती है उस आयु में वह संन्यास धारण करके वैरागी बन कर एक ऐसे रास्ते पर निकल पड़े जहां से आध्यात्म के साथ साथ मानवता के कल्याण का रास्ता भी प्रशस्त होता है।

अपने जीवन काल में स्वामी कल्याण देव ने देश में लगभग 300 शैक्षणिक संस्थाओं का निर्माण करवाया ताकि समाज के गरीब बच्चों को पैसे के अभाव में शिक्षा से वंचित ना होना पड़े इसके साथ ही उन्होंने कृषि केन्द्रों, वृद्ध आश्रमों, चिकित्सालय इत्यादि का निर्माण करावाकर भी समाज के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया। उनका एक अनुकरणीय नियम भी रहा है। उपरोक्त संस्थाओं में जब भी जाते थे। वहाँ का पानी तक नही पीते थे। जीवन पर्यन्त उन्होने पैसे को छूआ तक नहीं।

उनके पिता धार्मिक संस्कारों से परिपूर्ण थे और इसी लिए उनके परिवार में संत-महात्मा आते रहते थे, सत्संग और यज्ञ होता रहता था। उन्हें बचपन में रामायण सुनकर वैराग्य हो गया और उन्होंने घर छोड़ दिया।अपनी आध्यात्मिक प्यास बुझाने के लिए उन्हें एक गुरु और मार्ग दर्शक की तलाश थी जो सन् 1900 में मुनि की रेती, ऋषिकेश में स्वामी पूर्णानन्द से संन्यास

की दीक्षा लेने के बाद ही पूर्ण हुई। गुरु ने कालूराम का नाम बदलकर स्वामी कल्याणदेव रखा। घर का परित्याग के पश्चात वह कभी भी अपने गांव नहीं गए और न जीवन में कभी माता-पिता से मिले । अब यह सारा संसार ही उनका घर बन गया था।

स्वामी जी सत्य और अहिंसा के पुजारी थे। वह किसी गरीब की आंखों मे आंसू देख कर विचलित हो उठते थे जरूरतमंद की यथासंभव सहायता करते थे। स्वामी जी का मानना था कि यदि गरीब शिक्षित होगा, जागरूक होगा और अपने पैरो पर खड़ा होगा तो उसे कभी किसी के पास मदद मांगने की जरूरत नहीं होगी और उसका कोई शोषण नही कर पायेगा।

परोपकार की भावना से ओत-प्रोत स्वामी जी गरीब और मानव सेवा को अपना सबसे बड़ा धर्म मानते थे और गरीब की सेवा ही परमात्मा की सच्ची सेवा है। वह बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार को भी अधिमान देते थे क्योंकि बिना संस्कार के शिक्षा कभी सार्थक नही हो सकती है।

स्वामी कल्याण देव जी को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने 20 मार्च 1982 को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को ध्यान रखते हुए पद्मश्री और सन् 2000 में राष्ट्रपति आर के नारायण ने उन्हें पद्म विभूषण पुरस्कार देकर सम्मानित किया था। इसी प्रकार चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय मेरठ के द्वारा उन्हें डी.लिट. की मानद उपाधि तत्कालीन राज्यपाल विष्णु कान्त द्वारा देकर सम्मानित किया गया था।

अपने संयम, परोपकार, आध्यात्मिक प्रवृत्ति के व शिक्षा दान के आधार पर ही उन पर परमात्मा की सदैव ही अनुकम्पा बनी रही और यही कारण था कि उन्होंने 100 वर्ष से अधिक समय तक समाज सेवा करने का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया जो एक भगवान के ेंपा पात्र को ही मिल सकता है । स्वामी जी का मानना था कि राम नाम का सुमिरन तभी सार्थक होगा जिस समय एक व्यक्ति राम के गुणों को अपने अन्तःकरण में आत्मसात कर लेता है।

स्वामी जी ने अपने जीवन काल में सुखदेव मंदिर में साधु-संतों व आम जनता के लिए एक अन्न क्षेत्र की स्थापना करवाई ताकि कोई व्यक्ति भूखा ना सोए।

मुझे स्वामी जी के दर्शन करने का सौभाग्य पहली बार अगस्त 2003 में हुआ। उस समय मैं हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के साथ उनका लोक सम्पर्क अधिकारी होने के नाते कार्यक्रम की प्रेस कवरेज करने के लिए उनके साथ गया था। मुझे उनको देखकर यह विश्वास ही नहीं हुआ कि मैं एक ऐसी महान विभूति के सामने खड़ा हूं,जो न केवल मानवता के सच्चे पूजारी हैं अपितु एक दैवीय शक्ति से भी परिपूर्ण हैं। वह एक ऐसा साधारण लिबास पहने हुए थे। जिससे उनकी महानता का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता था। वे इतने सरल और सादा थे कि पूर्ण शरीर पर केवल दो चद्दर ही लपेटे हुए थे वे भी

अनेक गाँठो से सुधारी हुई थी। मुझे लगता है कि महात्मा गांधी भी उनके अनुयायी रहे होंगे।

मुझे उसके पश्चात् पुन: उनके गोलोकधाम जाने के पश्चात् 27 जुलाई 2004 को भी माननीय मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के साथ उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करने शुक्रताल जाने का अवसर प्राप्त हुआ ।स्वामी जी पर परमात्मा का विशेष आशीर्वाद था इस लिए वह 128 साल तक मानवता की सेवा करते रहे, जबकि कलियुग में एक मनुष्य की अधिकतम आयु 125 वर्ष ही मानी गई है।

पावन गंगा नदी के किनारे स्वामी कल्याण देव जी के आश्रम शुक्रताल में पहुंचने पर जो सुख और शांति की अनुभूति होती है। वह अवर्णनीय है। वहां का मनोरम वातावरण और सुखद अनुभूति से परिपूर्ण आश्रम में अनेक महान विभूतियां, जिनमें प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी राष्ट्रपति, डा. संजीव रैड्डी, राज्यपाल महावीर प्रसाद, मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला, मंत्री और अनेक अधिकारी शामिल हैं जिन्होंने स्वामी जी आशीर्वाद प्राप्त करके अपने जीवन को सार्थक बनाने का काम किया।

मैं अंगिरा ऋषि कुल की अनमोल धरोहर और आधुनिक युग के महाऋषि और प्रात: स्मरणीय परम पूज्य संत परम्परा के वाहक स्वामी कल्याण देव जी को शत-शत नमन करता हूं, जिनका जन्म ही मानवता के कल्याण के लिए हुआ था। वह एक ऐसे महान युगपुरुष योगी और महात्मा थे , जिनका नाम इतिहास के पन्नों पर सदैव ही स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा।

-उप सम्पादक रामभगत शर्मा

इच्छाशक्ति के चमत्कार

जहाँ तक इच्छाओं का संबंध है, सदिच्छाएँ ही इच्छाओं की सीमा में आती हैं। सदिच्छाओं की शक्ति अपरिमित है। कोई अच्छा कार्य करने अथवा उदात्त लक्ष्य प्राप्त करने की कामना रखने वाला लाख विरोधों एवं असुविधाओं के होने पर भी अपने ध्येय पर पहुँच ही जाता है।

सदाशयी में एक स्थायी लगन होती है, जिससे वह अपने ध्येय के प्रति निष्ठावान होकर अपनी समग्र शक्तियों को लगाकर प्रयत्न में लगा रहता है। इच्छा एवं प्रयत्न की एकता उसमें एक अलौकिक सहायता-स्रोत का उद्घाटन कर देती है, जिससे उसके प्रयत्नों में निरंतरता, तीव्रता और अमोघता बढ़ती जाती है और वह क्षण-क्षण ध्येय की ओर उत्तरोत्तर अग्रसर होता जाता है।

सदिच्छावान व्यक्ति में आशा, उत्साह, साहस और सक्रियता की कमी नहीं रहती और जिसमें इन सफलतावाहक गुणों का समावेश होगा, असफलता उसके पास आ ही नहीं सकती। असद्-इच्छाएँ जहाँ अपने विषैले प्रभाव से मनुष्य की शक्ति का नाश करती हैं, वहाँ सद्-इच्छाएँ उनमें नवीन स्फूर्ति, नया उत्साह और अभिनव आशा का संचार किया करती हैं।

एक इच्छा, एक निष्ठा और शक्तियों की एकता मनुष्य को उसके अभीष्ट लक्ष्य तक अवश्य पहुँचा देती हैं। इसमें किसी प्रकार के संदेह की गुंजाइश नहीं।

मानवता की सेवा ही परम धर्म है

मानव जीवन में सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है जो एक मनुष्य को आत्मसंतुष्टि, आनन्दानुभूति और सेवा भावना का उदय होता है। हमारे वेदों, पुराणों, उपनिषदों और शास्त्रों में सेवा के महत्व का उल्लेख किया गया है। इसीलिए कहा गया है कि सेवा भावना है तो किस्मत तेरी दासी है। नीयत तेरी अच्छी है तो घर में ही मथुरा काशी है।

सेवा भावना में जिस समय स्वार्थ बीच में आ जाता है तो सेवा भावना निष्प्रभावी हो जाती है। सेवा का अर्थ यह है कि जरुरतमंद की सहायता बिना किसी दुर्भावना और भेदभाव के करना। जिस प्रकार से महात्मा गौतम बुद्ध ने अपने शिष्यों से कहा था कि जिसने मेरी सेवा करनी है तो वह गरीब की सेवा करें और यही मानवता की सच्ची सेवा होगी। विश्व में जो असहाय और निरीह तथा गूंगें बहरे हैं उनकी निगाहें आप को बड़ी आशा और उम्मीद की निगाहों से देख रही हैं।

सेवा करने का सौभाग्य बड़े ही सौभाग्यशाली मनुष्य को ही मिलता है। भगवान श्री राम और सीता की सेवा का संकल्प लेकर जिस प्रकार से लक्ष्मण ने 14 वर्षो तक राम के बनवास के दौरान अहर्निश सेवा करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। बिना पलक लक्ष्मण झपके ही श्री राम जी और सीता माता की सेवा में तत्पर रहे। इसी प्रकार से हनुमान जी ने भी प्रभु राम की भक्ति और सेवा के साथ साथ ऋषि बाल्मीकि के आश्रम में मां सीता की सेवा की उनकी सेवा से प्रभावित होकर ही श्री राम ने उनसे कि कोई वर मांगने के लिए कहा था।

सेवा और त्याग का गुण ही समाज में किसी मनुष्य के योगदान अथवा उपयोगिता का निर्धारण करता है। जिस मनुष्य के जीवन में सेवा और त्याग की भावना बलवती है वहीं महान् है । जो मनुष्य समाज को देता है वही देवता है। कोई मनुष्य जब समाज को देता है तो देवता के रूप में स्वत: प्रतिष्ठित भी हो जाता है। यह सेवा की भावना प्रभु कृपा से ही प्राप्त होती है। प्रभू ही किसी-किसी जीव के मन में सेवा का भाव जगाकर समाज सेवा का निमित्त बनाते हैं।

लेकिन जिस समय मनुष्य में उस सेवा और त्याग का अभिमान आ जाता है तो उसका वही गुण अभिमान में रुपांतरित होकर जीवन का सबसे बड़ा अवगुण और रोग भी बन जाता है।मानव हो, देवता हो या राक्षस, देवराज इंद्र हो या प्रजापति दक्ष, जिसमें भी अभिमान आ जाता है तो प्रभु द्वारा उसके अभिमान भाव को एक दिन खण्डित कर दिया जाता है। सेवा और त्याग की भावना के साथ-साथ मनुष्य में विनम्रता और शालीनता का भाव भी होना चाहिए और यही जीवन का सच्चा आनंद है। अत: स्वस्थ जीवन जीने के लिए विनम्र और संस्कारों से ओतप्रोत होकर जीना भी अनिवार्य हो जाता है।

माता-पिता की सेवा करने से यह लोक ही नहीं अपितु परलोक भी सुधरता है। अपने माता-पिता को वृद्ध आश्रम छोड़ने की कभी परिकल्पना भी नहीं करनी चाहिए अन्यथा आपकी सन्तान उसी प्रक्रिया को आप पर लागू करेगी। यह पुनीत सम्बन्ध पूर्व जन्म के संस्कारों से ही मिलते हैं। इसके साथ ही उन पीड़ितों और दुखियों के प्रति भी दया करुणा और प्रेम का रिश्ता बनाए रखें और जहां तक हो सके उनकी यथासंभव सहायता करें,। इससे आत्मसंतुष्टि के साथ साथ आपके संस्कार भी प्रबल होंगें।

रुपा रानी शर्मा, चण्डीगढ़

KAILASH GAMBHIR
Sr. Advocate
Former Judge,
High Court of Delhi

Resi-cum-Office:
W-67,3rd floor, Greater Kailash-I
New Delhi-110048
Tel: -01141315665/Off: 01141315595-Res-
E mail:kailashgambhir1953@gmail.com

GENERAL GUIDELINES/IMPORTANT INSTRUCTIONS:

All the worthy members of Akhil Bhartiya Jangid Brahman Mahasabha are now aware that there are four candidates who are seeking election to the post of President of the Mahasabha scheduled to be held on 02.01.2022.

Election symbols have already been allotted by the Election Committee to the respective candidates and some of the candidates have already started their election campaign.

You are all very esteemed and honorable members of this great social organization totally dedicated towards the welfare of the society especially for the upliftment of poor and weaker sections of the society.

I have been informed that the Mahasabha has done commendable job during the recent Covid pandemic to reach out to all victims of Covid virus and their family members. I am also aware that there is already a great enthusiasm and zeal amongst the supporters to campaign for their respective candidates, but my appeal and request to all the members is that they shall not indulge into any malpractice, mudslinging or any kind of exchange of abusive language through any mode during the course of their election campaign.

Some of the members had been raising issues against the members of the Election Committee and till date no action has been taken against such uninhibited members, but now they are advised to refrain from indulging any further, into any kind of vilifying campaign against any Member of the Election Committee and any kind of defiance on the part of any member will result into suitable action against such member.

The list of the members who are eligible to cast their vote has already been uploaded on the official website of the Mahasabha and the same will be the only valid electoral list with no further change in the same. The Election Committee has only added 35 more members who were found eligible to be the voters having deposited their membership fee before the midnight of 01.11.2021 and who had also deposited their membership form in original at the office of the Mahasabha before 5.00 p.m. on 09.11.2021. The names of 35 members will be uploaded on the official website of the Mahasabha separately.

KAILASH GAMBHIR
Sr. Advocate
Former Judge,
High Court of Delhi

Resi-cum-Office:
W-67,3rd floor, Greater Kailash-I
New Delhi-110048
Tel: -01141315665(Off): 01141315595 Res-
E mail:kailashgambhir1953@gmail.com

The Mahasabha has not entertained those Membership Forms which were sent through whatsapp, email or through any other mode unless they were submitted in physical form in original at the office of the Mahasabha before the stipulated deadline i.e. 5.00 p.m. on 09.11.2021. The Members who have been carrying some irresponsible campaign with regard to membership issue are directed not to indulge in any kind of further misrepresentation or misinformation campaign on this issue. It is made clear that only those members who had deposited the membership fee "online" and were allotted the membership number through the computerized automated system and those who had deposited the membership fee against valid receipt before 01.11.2021 and deposited their membership form in original at the office of Mahasabha before 5.00 p.m. on 09.11.2021, were included in the electoral list as the eligible voters. None of the members who had sent their membership form through whatsapp or any such other mode but not in physical form have been included in the electoral list, although such forms might have been forwarded by the concerned members before 5.00 p.m. on 09.11.2021.

Now a little more than one month time will be available to the Candidates and their supporters to carry on with the election campaign and it is expected that while being on campaign they shall not commit any act or conduct themselves in any manner which can compromise their own dignity and the prestige of the Mahasabha of which they are integral part of. It is expected that the election to the post of the President of the Mahasabha shall be held in a most peaceful, congenial and in a friendly environment without there being any kind of hostility, animosity, hatred, malice and aggression.

Members shall also fully observe Covid norms during the course of their election campaigns and at the time of casting their ballot on the election date. It is the special responsibility of the Candidates and the polling booth officers to ensure compliance of these norms.

30th November, 2021

Justice Kailash Gambhir
Observer

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रामपाल शर्मा जी, (बैंगलोर)
11 लाख + 1.25 करोड
एक मंजिल निर्माण मे परिवार का सहयोग

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला जी,(इन्दौर)
पूर्व प्रधान महासभा
86,00,000/-

श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा जी
(पत्नी श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 35,00,000/-

श्री भंवर लाल जी कुलरिया
मुम्बई,
31,00,0000/-

श्री एकलिंग जांगिड् जी,
सूरत महासभा भवन में
लगने वाले सम्पूर्ण ग्रेनाइट
आपकी ओर से देने की
घोषणा की।

श्री मीता राम जांगिड जी,
मै.सुमित वुड वर्क्स लि.(मुम्बई)
21,00,000/-

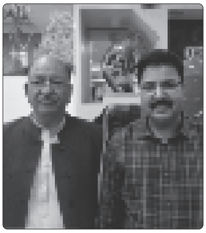
प्रमुख स्तंभ समाजसेवी
श्री रमेशचन्द शर्मा सरपंच जी एवं
श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा जी, दिल्ली
11,51000/-

श्री रविशंकर शर्मा जी,
(जयपुर), पूर्व प्रधान
महासभा 11,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड जी
(सीकर, राजस्थान),
11,00,000/-

श्री लक्ष्मण जी जांगिड
(मुम्बई)
11,00,000/-

श्री लीलूराम शर्मा जी
चेयरमैन, जां.ब्रा.शिरोमणी सभा, दिल्ली
11,00,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी
(मुम्बई)
11,00,000/-

श्री नवीन जी
(जयपुर)
11,00,000/-

श्री दीपक शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/-

श्री अमित शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/-

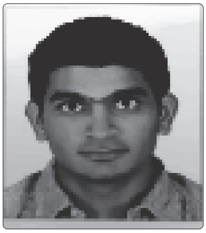
श्री जगमोहन शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/-

श्री अमरा राम जांगिड जी
दुबई, अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष
महासभा, 5,51,000/-

श्री भंवरलाल गुगरिया जी
(बेंगलुरू)
5,51,000/-

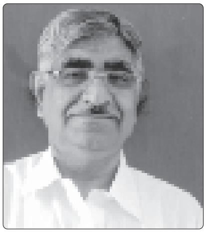
श्री गिरधारी लाल जांगिड
जी (बेंगलुरू)
501,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी
(मै.राज.कोचबिल्डर्स,धार)
5,00,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेंतु दानदाताओं की सूची

श्री पूनाराम जांगिड जी, (जोधपुर) 5,00,000/-

श्री सीताराम शर्मा जी, (बैंगलोर) 5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर 5,00000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स जी (पूर्व कोषाध्यक्ष, महासभा) एवं श्री दिनेश कुमार वत्स जी, (दिल्ली) 5,00000/-

श्री कांति प्रसाद जांगिड जी (टाईगर) (दिल्ली) 5,00,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा (वाराणसी) 5,00,000/-

श्री सुनील कुमार शर्मा जी, (चित्तौडगढ) 5,00,000/-

प्रदेशसभा राजस्थान 5,00,000/-

जांगिड वेलफेयर सोसाइटी, यमुना विहार दिल्ली 5,00,000/-

श्री सोमदत्त शर्मा जी नांगलोई कोषाध्यक्ष महासभा, दिल्ली 2,52,151/-

श्री सीताराम शर्मा जी (पूर्व जिला प्रमुख, करौली), दिल्ली 2,51,151/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड जी, (धारूहेड़ा) 2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड जी, (जयपुर) 2,51,000/-

श्री बनवारी लाल शर्मा जी (सीकर) 2,51,000/-

श्री सुभाष जी (बोरवेल वाले) (जयपुर) 2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा जी, (मुम्बई), 2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड जी (मुम्बई), 2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा जी (नदबई), 2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली (प्रधान शिरोमणी सभा) 2,51,000/-

सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री प्रकाश शर्मा, दिल्ली 2,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री बाबूलाल शर्मा जी
(बेंगलुरू)
2,51,000/-

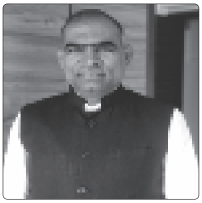

श्री इंदरचंद चांदराम
जांगिड जी, मुम्बई
2,51,000/-

श्री रवि जांगिड जी
(बेंगलुरू)
2,51,000/-

श्री नरेश चन्द्र शर्मा जी
(बेंगलुरू)
2,51,000/-

श्री अशोक जांगड
(नजफगढ़, दिल्ली)
2,51,000/-

श्री किशनलाल शर्मा जी,
(रोहिणी, दिल्ली)
2,51,000/-

श्री शंकर लाल धनेरवा
जी, (जयपुर)
2,51,000/-

श्री सुभाषचंद्र जांगिड जी
(भाईंदर(ईस्ट),ठाणे,महाराष्ट्र)
2,51,000/-

श्री रामकरण शर्मा जी
(फरीदाबाद)
2,51,000/-

श्री प्रहलादराय जांगिड जी
(नांदेड)
2,50,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा जी
देवास, (मध्य प्रदेश)
2,50,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा जी,
(अहमदाबाद)
2,50,000/-

श्री संजय शर्मा जी,
(जयपुर)
2,00,000/-

जिलासभा
बाड़ेमर(राजस्थान)
2,00,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा जी
आई पी एक्सटेंशन-अध्यक्ष पूर्वी
दिल्ली जिलासभा 1,53,000/-

श्री देवी सिंह जी ठेकेदार
-करावल नगर-उपाध्यक्ष
अ.भा.जा.ब्रा.महासभा 1,51,111/-

श्री जवाहरलाल जांगिड
जी, उज्जैन (मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा जी
यमुना विहार-उपाध्यक्ष पूर्वी
दिल्ली जिलासभा 1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड
जी (नागपुर)
1,51,000/-

श्री श्रीकृष्ण जांगडा
जी,रानी खेड़ा, दिल्ली
1,51,000/-

(महासभा भवन में एक कमरे के लिए योगदान)

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री हरिराम जांगिड जी थाने, मुम्बई
1,51,000/-

श्री जयसिंह जांगडा जी (रिटायर्ड जज)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री विजय प्रकाश शर्मा जी (द्वारका, दिल्ली)
1,51,000/-

स्व.चांद कौर धर्मपत्नी स्व.श्री नाहनाराम जांगडा जी की स्मृति में एक कमरे के लिए 1,51,000/- का योगदान डॉ.शेरसिंह जांगडा प्र.अ.हरियाणा एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ.शील जांगडा द्वारा प्रदान किया गया

श्री बाबू लाल शर्मा जी, (इन्दौर, मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया जी बेंगलूरू
1,51,000/-

श्री वीरेन्द्र शर्मा जी (शामली)
1,51,000/-

श्री ओमप्रकाश शर्मा जी (जीओजी मार्बल जयपुर)
1,51,000/-

श्रीमती उर्मीला जांगिड पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण जी गुरूग्राम 1,51,000/-

कैप्टन श्री हेमराज जी कोटपूतली
1,51,000/-

श्रीमती ब्रहमो देवी धर्मपत्नी श्री नाथूराम जी शर्मा, दिल्ली 1,51,000/-

श्री कृष्ण कुमार शर्मा जी द्वारका, दिल्ली
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा जी पैरामाउंट इंजीनियर्स,गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री मोहन लाल जांगिड जी प्रदेश अध्यक्ष(गुजरात)
1,51,000/-

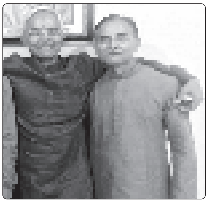

श्री चंद्राप्रकाश जी गुरूदत्त शर्मा जी (गांधीधाम) 1,51,000/-

श्री अनिल एस.जांगिड जी (महामंत्री महासभा)ग्रुरूग्राम
1,51,000/-

श्री हरीराम जांगडा जी ग्राम कासन
1,51,000/-

श्री राजेन्द्र जांगिड जी पटेल नगर, गुड़गांव
1,51,000/-

श्री कृष्ण अवतार जांगिड जी ग्राम कासन
1,51,000/-

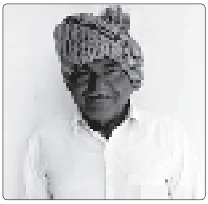

श्री पन्ना लाल जांगिड जी ग्राम कासन
1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

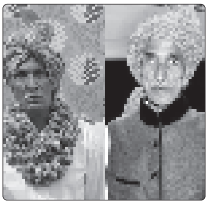

मास्टर जगदीश चंद्र जागिड,
श्री ज्ञानचंद जांगिड, ग्राम-कासन
1,51,000/-

श्री हरीश जी
नरेश जी दम्मीवाल
(जोधपुर) 1,51,000/-

श्री उमाकांत जी
धानेरा
1,51,000/-

श्री किशोर कुमार जांगडा जी
बहादुरगढ
1,51,000/-

श्री वेद प्रकाश आर्य
सवाई माधोपुर
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
पूतली वाले, सागरपुर,दिल्ली
1,51,000/-

श्रीमती दयावंती धर्मपत्नी
श्री रामकिशन शर्मा,(डीसीपी)
द्वारका,दिल्ली 1,51,000/-

श्री बी.सी.शर्मा
जयपुर
1,51,000/-

श्री मोतीलाल जांगिड
(वैशाली, जयपुर)
1,51,000/-

श्री तेजस लुंजा जी
बेंगलूरू
1,50,000/-

जिलासभा
पुणे(महाराष्ट्र)
1,50,000/-

जांगिड समाज जिला भिवानी
(हरियाणा)
1,22,311

श्री सत्यपाल वत्स जी,
(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया
जी,(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री राजू जांगडा सुपुत्र
श्री ईश्वर सिंह ठेकेदार(नजफगढ़
दिल्ली)-1,21,000/-

इंजि. जय इन्द्र शर्मा जी,
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
1,11,121/-

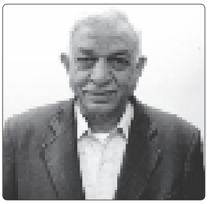

श्री लक्ष्मी नारायण जी,
(गुड़गांव)
1,11,111/-

डॉ. शेरसिंह जी जांगडा
गुड़गांव,(प्र.अ.हरि.)
1,11,111/-

श्री रमेश कुमार जी,
(सोनीपत, हरि.)
1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य जी
(रोहतक)
1,11,111/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री संजीव कुमार जी, (रोहतक) 1,11,111/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य जी शामली, (उत्तर प्रदेश) 1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड जी एवं श्री हरीशंकर जांगिड जी,(जयपुर) 1,11,000/-

श्री सुरेंद्र जांगिड़ जी, (दिल्ली) 1,11,000/-

श्री फूलकुमार जी जांगडा, (सोनीपत) 1,11,111/-

श्री प्रवीण जांगडा जी, (द्वारका, दिल्ली) 1,11,000/-

श्री श्रीचन्द शर्मा जी, मुल्तान नगर (दिल्ली) 1,11,000/-

श्री अमर सिंह जांगिड़ जी, (मुम्बई) 1,11,000/-

श्री बनवारी लाल जांगिड, (त्रिनगर, दिल्ली) 1,11,000/-

श्री कृष्ण कुमार बिजेनिया जी (ग्राम ककरौला, दिल्ली) 1,11,000/-

श्री विश्वकर्मा जांगिड समाज सेवा समिति सोजत सिटी (राजस्थान) 1,11,111

शाखा सभा श्याम विहार (दिल्ली) 1,11,000

शाखा सभा नजफगढ़, (दिल्ली) 1,11,000/-

उत्तम नगर शाखा सभा (दिल्ली) 1,11,000/-

श्री ओम नारायण शर्मा जी, साहिबाबाद,(पूर्व संपादक जांगिड ब्राह्मण) 1,02,251

श्री ईश्वर दत्त जांगिड जी (रोहतक) 1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी, समालखा(पानीपत) 1,01,111/-

श्री बृजमोहन जांगिड जी (नागपुर) 1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी (नागपुर) 1,01,101/-

श्री सुनील कुमार जांगिड जी (खोडा कालोनी-सुप्रसिद्ध समाजसेवी) 1,01,101/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

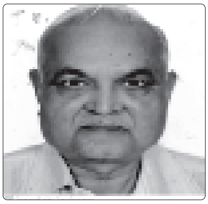

श्री अतरसिंह काला जी
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,101/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड जी
श्याम विहार-प्रभारी प्रादेशिक सभा दिल्ली 1,01,000/-

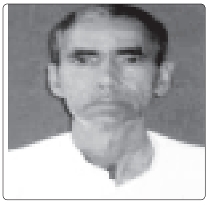

श्री राजबीर सिंह जी आर्य
कोंडली-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,01,000/-

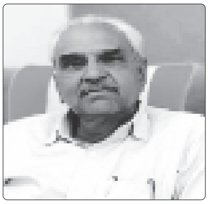

श्री हरिपाल शर्मा जी
फालना
1,01,000/-

सीए अनिल कुमार शर्मा जी
आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली)
1,01,101/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज जी
ज्योति कॉलोनी-पूर्व महामंत्री
अ.भा.जां.ब्रा.महासभा 1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड जी
सोनीपत
1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा जी,
(मै.कमल प्रिंटर्स)
दिल्ली 1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा जी
ज्योति कालोनी-सह सचिव पूर्वी
दिल्ली जिलासभा 1,01,000/-

श्री अशोक कमार शर्मा
जी, (औरंगाबाद)
1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड जी,
गोरेगांव, (मुम्बई)
1,01,000/-

श्री इन्दरराम तेजाराम
जांगिड जी, (मुम्बई)
1,01,000/-

श्री गंगादीन जांगिड
(दिल्ली)
1,01000/-

श्री रमेश चन्द शर्मा जी
(प्रदेशाध्यक्ष-उत्तराखण्ड)
1,01,000/-

श्री जगदीश चन्दर जांगिड जी
(सोनीपत)
1,01,000/-

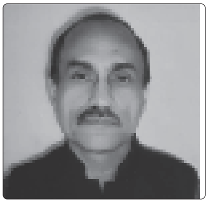

श्री सत्यनारायण शर्मा जी
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री प्रमोद कुमार जांगिड जी
(बड़ौत, उ.प्र.)
1,01,000/-

श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा जी
(जयपुर,)
1,01,000/-

श्री किशन लाल जांगिड जी
जयपुर,
1,01,000/-

श्रीमती विमला देवी किंजा,
श्रीमती रामेश्वरी देवी कालोया,
श्री विश्वकर्मा महिला संकीर्तन मंडल,
रामगंज, अजमेर एवं कार्यकारिणी 1,00,121/

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्रीमती सुमित्रा देवी जी
ओमप्रकाश शर्मा जी(पूर्व उपप्रधान)
महासभा 1,00,111/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा जी
सागरपुर दिल्ली,
1,00,001/-

श्री टेकचन्द जांगिड जी
फरीदाबाद,
1,00,000/-

श्री ललित जड़वाल जी
(अजमेर)
1,00,000/-

श्री चंपा लाल शर्मा जी
(बुलढाणा)
1,01,100/-

श्री विजय शर्मा जी
(ताबडू)
1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा जी
(दिल्ली)
1,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड जी
(हिसार)
1,00,000/-

श्री मंगलसैन जी शर्मा
(बड़ौत, उत्तर प्रदेश)
1,00,000/-

श्री सूरजमल जांगिड जी,
(हिंगोली)
1,00,000/-

श्री नानूराम जांगिड जी
(हिंगोली)
1,00,000/-

प. गंगा राम जांगिड जी
(जयपुर)
1,00,000/-

श्री रमेश चंद शर्मा जी,
(इंदौर)
1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड जी
(गुड़गांव)
1,00,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा जी
(अहमदाबाद)
1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
1,00,000/-

श्री सोमदत्त जांगिड जी
(नांगलोई, दिल्ली)
1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा जी,
(छतीसगढ़)
1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड जी
(गुड़गांव)
1,00,000/-

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

पंजीकरण संख्या एस. - 27/1919

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाष : 011-42420443, 011-42470443

Website: www.abjbmahasabha.com, e-mail: election.mahasabha@gmail.com

महर्षि अंगिरा जी

देवमणी शर्मा
मुख्य चुनाव अधिकारी
9891144411

प्रवीण शर्मा
चुनाव अधिकारी
9300905141

कैलाश शर्मा
चुनाव अधिकारी
9829062211

क्रमांकः अ.भा.जां.ब्रा.म./1055

दिनांकः 29-11-2021

चुनाव चिन्ह आवंटन-पत्र

माननीय जस्टिस(सेवा निवृत) श्री कैलाश गंभीर जी, ऑब्जर्वर महासभा प्रधान चुनाव-2022 के निर्देशानुसार होने वाले प्रधान पद चुनाव हेतु चुनाव अधिकारी मंडल द्वारा आपको प्रत्याशी घोषित किया जाता है। चुनाव प्रक्रियानुसार आपको निम्नानुसार चुनाव चिन्ह आवंटित किया जाता है।

क्र.सं.	नाम प्रत्याशी	पिता/पति का नाम	चुनाव चिन्ह
1.	किशन लाल जांगिड़	बाबू लाल जांगिड़	हवाई जहाज
2.	महेन्द्र कुमार सुथार	काशीराम	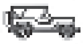 जीप
3.	रामपाल शर्मा	गोवर्धन लाल शर्मा	मोटर साईकिल
4.	सत्यनारायण शर्मा	भगवान सहाय शर्मा	सीढ़ी

देवमणि शर्मा
मुख्य चुनाव अधिकारी

प्रवीण शर्मा
चुनाव अधिकारी

कैलाश शर्मा सालीवाल
चुनाव अधिकारी

जांगिड समाज के मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह झोझू कला में आयोजित किया गया

समाज में जागृति पैदा करने के लिए शिक्षा सबसे बड़ा साधन है। आधुनिक युग में चुनौतियों का सामना करने में शिक्षा ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

यह उद्गार हरियाणा जांगिड़ ब्राह्मण सभा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ शेर सिंह जांगिड़ ने समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में मेघावी छात्रो को सम्मानित करने के उपरांत समारोह को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस सम्मान समारोह का आयोजन चरखी दादरी विश्वकर्मा समाज जन कल्याण सेवा समिति जिला इकाई के तत्वाधान में जांगिड़ समाज के मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह झोझू कलां की विश्वकर्मा धर्मशाला में आयोजित किया गया था।

डॉ शेर सिंह जांगिड़ ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही जीवन में प्रकाश फैलता है। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाज के किसी भी बच्चे की पढ़ाई को पैसे के अभाव में रुकने नहीं दिया जायेगा।

कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष जांगिड समाज भिवानी मास्टर ओमप्रकाश जांगिड़ थे। मंच का संचालन वीरेंद्र सिंह जांगिड़ ने किया।

समिति के प्रधान बलबीर सिंह जांगिड़ ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2020-21 के अन्तर्गत 10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षा में जिन छात्र-छात्राओं ने 85 प्रतिशत अंकों से ज्यादा अंक प्राप्त किये है उन सभी को यह संस्था पिछले चार-पांच वर्षो से प्रोत्साहन देती आ रही है। इसके तहत इस वर्ष कक्षा दसवीं के 60 तथा 12वीं के 90 विद्यार्थियो को सम्मानित किया गया।

आयोजन में शिरकत कर रहे झोझू कलां सरपंच दलबीर गांधी के द्वारा मंच के माध्यम से घोषणा की गई कि अगर विश्वकर्मा समाज जन कल्याण सेवा समिति कस्बा झोझू कलां में भगवान विश्वकर्मा के मंदिर का निर्माण करवाती है तो वह इसके निर्माण के लिए सहायता स्वरूप 51 हजार की राशि भेंट करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि झोझू कलां के जांगिड समाज के द्वारा झोझू कस्बे में बैंकेंट हाल का निर्माण किया जाएगा तो वह उसके लिए जमीन व वित्तीय सहायता राशि भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

सह सम्पादक मनोहर लाल शर्मा

जांगिड ब्राह्मण प्रदेशसभा महाराष्ट्र सम्बद्ध अ.भा.जां.ब्रा.महासभा, दिल्ली

चुनाव अधिसूचना

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के अंतर्गत प्रदेशसभा महाराष्ट्र के कुछ जिलों के जिला अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। महासभा संविधान के अनुसार चुनाव करवाना अपेक्षित है।अत: निम्न जिलों के जिला अध्यक्ष चुनाव हेतु अधिसूचना जारी की जाती है।

क्र.सं.	जिले का नाम	अधिसूचना की दिनांक	सदस्यता की अंतिम तिथि	नामांकन तिथि	मतदान की दिनांक
1	औरंगाबाद	17.11.2021	19.12.2021	09.01.2022	23.01.2022
2	सातारा	17.11.2021	19.12.2021	09.01.2022	23.01.2022
3	मुम्बई	17.11.2021	19.12.2021	09.01.2022	23.01.2022
4	ठाणे	17.11.2021	19.12.2021	09.01.2022	23.01.2022
5	अहमदनगर	17.11.2021	19.12.2021	09.01.2022	23.01.2022
6	अमरावती	17.11.2021	19.12.2021	09.01.2022	23.01.2022
7	नांदेड	17.11.2021	19.12.2021	09.01.2022	23.01.2022
8	चंद्रपुर	17.11.2021	19.12.2021	09.01.2022	23.01.2022
9	कोल्हापुर	17.11.2021	19.12.2021	09.01.2022	23.01.2022
10	सांगली	17.11.2021	19.12.2021	09.01.2022	23.01.2022
11	सोलापुर	17.11.2021	19.12.2021	09.01.2022	23.01.2022

नामांकन स्थल:- श्री विश्वकर्मा मंदिर राजस्थानी सुथार ट्रस्ट बिबवेवाडी पुणे

नामांकन आवेदन:- निर्धारित तिथि को सुबह 11:00 बजे से 2:00 बजे तक

नामांकन पत्र जांच:- निर्धारित तिथि को 2:00 बजे से 3:00 बजे तक

नामांकन वापसी:- निर्धारित तिथि को 3:00 बजे से 4:00 बजे तक

प्रत्याशियों की घोषणा:- 4:15 बजे

मतदान:- निर्धारित तिथि को सुबह 9:00 बजे से 5:00 बजे तक

मतदान एवं चुनाव परिणाम:- मतदान स्थल पर मतदान के पश्चात

नोट:- मतदान केन्द्र का निर्धारण नामांकन प्रक्रिया के बाद आवश्यकतानुसार किया जायेगा।

निर्विरोध निर्वाचित होने वाले जिला अध्यक्ष को उसी दिन शपथ दिलाई जायेगी।

मदन लाल जांगिड
महामंत्री
प्रदेशसभा महाराष्ट्र

पुरूषोत्तम लाल जांगिड
मुख्य चुनाव अधिकारी
प्रदेशसभा महाराष्ट्र

जिला बुल्ढाणा (महाराष्ट्र) की तहसीलों के अध्यक्षों की चुनाव संबंधी अधिसूचना

सम्मानीय समाज बंधुओं,

बुल्ढाणा जिला सभा अंतर्गत तहसील सभाओं के गठन का निर्णय 24.10.2021 को लिया गया है। अतः महासभा संविधान के अनुसार निम्नलिखित तहसील सभाओं के चुनाव करवाया जाना अपेक्षित है। अतः निम्न प्रकार से तहसील के लिए चुनाव अधिसूचना घोषित की जाती है। जिसका चुनावी कार्यक्रम निम्न प्रकार से है:-

तहसीलों के नाम:- 1. बुल्ढाणा, 2. चिखली, 3. खामगांव, 4. शेगांव, 5.मेहकर

नामांकन कार्यक्रम:- सदस्यता अभियान की अंतिम तारीख 02.11.2021

नामांकन तिथि:- 09.01.2022

नामांकन स्थल:- सांवरमल जांगिड शॉप, अकोला जनता बैंक के पीछे, डॉ. मंत्री हॉस्टिपल के पास, श्रीराम चौक, खामगांव

नामांकन आवेदन:- प्रातः 10:00 बजे से 1:00 बजे तक

नामांकन पत्र जांच:- दोपहर 1:00 बजे से 2:00 बजे तक

नामांकन वापसी:- दोपहर 2:00 बजे से 4:00 बजे तक

प्रत्याशियों की घोषणा:- 4:00 बजे

मतदान आवश्यक हुआ तो:-दिनांक 23 जनवरी 2022 को

मतदान एवं चुनाव परिणाम:- मतदान पश्चात

नोट:- मतदान केन्द्र का निर्धारण नामांकन प्रक्रिया के बाद आवश्यकतानुसार किया जायेगा।

ओमप्रकाश शि. शर्मा	**ओम प्रकाश सु.शर्मा**	**पुरणमल सु. शर्मा**
महामंत्री	**चुनाव अधिकारी**	**जिलाध्यक्ष**
मो. 9860330153	**मो. 7741042878**	**मो. 8275284833**

पंजीकृत शाखा सभा,ग्राम सभा,ब्लाक सभा,तहसील,जिला सभा की सूची

क्र संख्या	सभा नाम
1	शाखा सभा बीकानेर
2	प्रदेश सभा कर्नाटका
3	जिला सभा रेवाड़ी
4	प्रदेश सभा गुजरात
5	प्रदेश सभा हरियाणा
6	प्रदेश सभा उत्तर प्रदेश
7	शाखा सभा चंदोडी जिला मुज्जफरनगर
8	शाखा सभा कासन गुड़गाँव हरियाणा
9	शाखा सभा उदयपुर
10	बिलासपुर खुर्द(मानेसर) गुरुग्राम
11	बुढाना जिला(मुज्जफरनगर)
12	ब्लॉक सभा साहूपुरा फरीदाबाद(हरियाणा)
13	जिला सभा फरीदाबाद (हरियाणा)
14	जिला सभा (रेवाड़ी)
15	ब्लॉक सभा गुरुग्राम (हरियाणा)
16	शाखा सभा लोहारु
17	जिला सभा भिवानी
18	शाखा सभा तोशाम
19	खंड सभा खोल
20	ब्लॉक सभा बावल
21	खंड सभा डहिना(रेवाड़ी)
22	शाखा सभा धोरी,रेवाड़ी
23	शाखा सभा नागल जमालपुर
24	शाखा सभा कुण्ड,मनेठी
25	शाखा सभा खालेटा,रेवाड़ी
26	शाखा सभा जैनाबाद,रेवाड़ी
27	शाखा सभा मंदोला,रेवाड़ी
28	जिला सभा नागपुर
29	शाखा सभा झाड़सा(गुड़गाँव)
30	जिला सभा अजमेर
31	कोटपुतली
32	जिला सभा सीकर
33	जिला सभा करौली
34	शाखा सभा अजमेर
35	शाखा सभा पुष्कर(अजमेर)
36	शाखा सभा अंराई(अजमेर)
37	तहसील सभा -दाँताराम गढ़
38	शाखा सभा सागरपुर दिल्ली
39	शाखा सभा बल्लभगढ़(फरीदाबाद)
40	जिला सभा अकोला (महाराष्ट्र)
41	जिला सभा भोपाल(म.प्र.)
42	प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखंड
43	तहसील सभा ,बसवा,दौसा
44	शाखा सभा जोबनेर(जयपुर)
45	शाखा सभा तिगाँव(फरीदाबाद)
46	शाखा सभा बहल
47	शाखा सभा कैरु
48	शाखा सभा सिवानी
49	शाखा सभा बवानी खेड़ा
50	शाखा सभा भिवानी
51	शाखा सभा गुरुग्राम पश्चिम
52	शाखा सभा भोंडसी
53	शाखा सभा पटौदी
54	ब्लॉक सभा सोहना
55	शाखा सभा मुमताजपुर
56	शाखा सभा गुरुग्राम पूर्वीक्षेत्र
57	शाखा सभा गुरुग्राम उत्तरीक्षेत्र
58	शाखा सभा गुरुग्राम द क्षणीक्षेत्र
59	शाखा सभा हेलीमंडी
60	शाखा सभा पंचगाँव
61	शाखा सभापटोदी
62	शाखा सभा सोहना
63	शाखा सभा दरापुर

नोट– उपरोक्त सभी शाखाओ /सभाओं का प्रधान पद चुनाव में एक मत देने का अधिकार होगा।

दिनेश जांगिड 'सारंग' को मिला 'नेल्सन मंडेला नोबल शांति पुरस्कार'

वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी दिनेश जांगिड 'सारंग' को 'नेल्सन मंडेला नोबल शांति पुरस्कार-2021' प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही उन्हें डॉक्टरेट की भी मानद उपाधि प्रदान की गई है। नेल्सन मंडेला नोबेल पीस अवार्ड एकेडमी द्वारा मुम्बई के होटल सहारा स्टार में आयोजित एक कार्यक्रम में यह पुरस्कार और उपाधि प्रदान की गई। श्री जांगिड मूलतः राजस्थान प्रदेश के निवासी हैं। ज्ञात हो कि श्री जांगिड़ को 'नेल्सन मंडेला नोबल शांति पुरस्कार-2021' और डॉक्टरेट की मानद उपाधि समाज में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्य के लिये

दिया गया है। वह इस समय जाइन्ट कमिश्नर के पद पर दिल्ली में तैनात हैं।

दिनेश जांगिड सामाजिक कार्यो में बहुत रुचि लेते हैं। विभिन्न मौकों पर उनका सम्बोधन बहुत प्रेरणादायी होता है। एक अच्छे साहित्यकार के रूप में भी इनकी पहचान है। महासभा इनके उज्ज्वल भविष्य की शुभ की शुभ कामनाएं करती है आशा है पहले की तरह सहयोग मिलता रहेगा।

सम्पादक

''शिक्षा व ज्ञान का प्रसार''

हमारे यहां जब एक महापुरूष का तिरोधान (लोप) हो जाता है, तब हमें दूसरे महापुरूष के आगमन के लिए शताब्दियों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। जब कि वे एक महापुरूष के मरते ही दूसरा पैदा कर लेते है। वहाँ महापुरूषों की खान है। ऐसा क्यों है? क्योंकि उनके सामने महापुरूष उत्पन्न करने के लिए एक विशाल क्षेत्र विद्यमान रहता है। हमें बहुत छोटा क्षेत्र उपलब्ध है। महापुरूष उत्पन्न करने वाला क्षेत्र सबसे छोटा है, क्योंकि उन राष्ट्रों में शिक्षित नर-नारियों की संख्या इतनी अधिक है। मेरे एक-एक शब्द को हृदयंगम कर लो। हमारे राष्ट्र की यही भारी कमी है और इसे दूर करना होगा। जनसाधारण को शिक्षित करो और ऊपर उठाओं। केवल तभी यह देश यथार्थ में राष्ट्र-रूप में खडा हो सकेगा।

तुमने पढ़ा होगा ''मातृ देव भव, पितृ देवो भव।'' अर्थात माता को भगवान समझो, पिता को भगवान समझो, किन्तु मैं कहता हूँ:- ''दरिद्र देवो भव, मूर्ख देवो भव'' इन गरीबों, अनपढ़ो अज्ञानियों एवं दुखियों को ही अपना भगवान मानो। स्मरण रखो, केवल इनकी सेवा ही तुम्हारा परम धर्म है। इन्होंने लोगों में राष्ट्रीयता की भावना जगा कर देश हित की रक्षा की। सभी लोगों में हिन्दू धर्म का स्वच्छ, स्पष्ट और सर्व हितकारी रूप समझाया। ये विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। इन्होंने कहा कि हमारे धर्म और कर्म का लक्ष्य आत्म ज्ञान है। इन्होंने निर्भयता स्वतन्त्रता और उधम शीलता का शंखनाद किया। भारत को ऊंचा उठाने का भरपूर प्रयत्न किया।

''स्वामी विवेकानन्द''

विनम्रता और शालीनता की प्रतिमूर्ति पुलिस महानिदेशक रामफल पंवार

विनम्रता और शालीनता की प्रतिमूर्ति पुलिस महानिदेशक रामफल पंवार ने सिद्ध करके दिखलाया है एक साधारण परिवार और एक छोटे से गांव में पैदा हुए और अपनी मेहनत, परिश्रम और प्रखर बुद्धि के बल पर पुलिस महानिदेशक के पद पर पहुंचे।

इनका जन्म माता श्रीमती गिन्नी देवी और पिता श्री जयलाल के घर गांव ढाणीपाल, जिला हिसार में हुआ। इन्होंने परिश्रम के बल पर हिसार जिले में 10वीं कक्षा में प्रथम स्थान हासिल किया।

पिता जी की वित्तीय हालत इतनी अच्छी नहीं थी। अतः स्कूल के मुख्य अध्यापक श्री रामकृष्ण यादव ने साथ जाकर उनका दयानंद कालेज हिसार मे प्रवेश दिलाया। प्रिंसीपल श्री एन डी ग्रोवर ने इनकी प्रतिभा को पहचान इनकी पूरी फीस माफ की और हर तरह से इनका मनोबल बढाया। उन्होनें जब कालेज के वार्षिक अनुष्ठान में पवार की प्रतिभा का परिचय करवाया तो हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी देवीलाल ने पुरस्कार स्वरूप 5000/-रुपए एवम् तत्कालीन सहकारिता मंत्री चौधरी भजनलाल ने प्रतिमाह 100/-रुपए देने की घोषणा की।

इन्होंने प्री-इंजीनियरिंग में मैरिट में पूरी यूनिवर्सिटी मे प्रथम स्थान हासिल कर अपना और कालेज का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर आई आई टी कानपुर से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की और इसके साथ ही भारतीय सिविल सेवा की तैयारी भी शुरू कर दी और भारतीय पुलिस सेवा में चयनित हो गए। उन्हें बंगाल कैडर मिला हुआ था।

पश्चिम बंगाल में कई जिलों में पुलिस अधीक्षक रहने के साथ साथ ही इन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा यानि एस पी जी में प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए 9 वर्ष तक सेवा की है। आज कल श्री पवार दिल्ली में भारत सरकार के गृह मंत्रालय में राष्ट्रीय क्राईम रिकार्ड ब्यूरो में महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं और वह समाज के ऐसे होनहार और उदीयमान छात्रों की सहायता करना चाहते है जिन्होंने अपना महान लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है।

इनके सुपुत्र भारतीय वायुसेना में फाइटर पायलट के पद पर कार्यरत हैं और बेटी म्यूनिक, जर्मनी में आर्किटेक्ट है।

महासभा श्री पवार के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करती है कि आप जीवन में उत्तरोत्तर निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर रहें।

उप सम्पादक- राम भगत शर्मा

जांगिड समाज की होनहार प्रतिभाएं

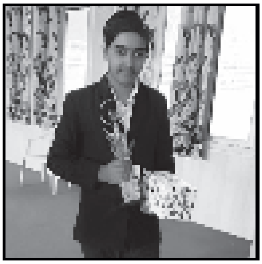

अतुल कुमार जांगड़ा पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार जांगड़ा गाँव बामला, भिवानी बहुत ही प्रतिभाशाली छात्र है। इन्होंने 8 नवम्बर को फरीदाबाद में आयोजित राज्यस्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करके अपने समाज का नाम रोशन किया है। इससे पहले भी यह बच्चा अपनी दसवीं की परीक्षा में जिले भर में प्रथम स्थान व प्रदेश में चौथा स्थान हासिल किया था।

महासभा इनके के उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

मा. ओम प्रकाश जांगिड, जिला प्रधान, (भिवानी)

कु.एकता शर्मा सुपुत्री श्रीमती रीना व श्री प्रेमराज शर्मा निवासी एफ-746 पूर्वी जवाहर नगर कालोनी-लोनी-गाजियाबाद (उ0प्र0), एन.ई.ई.टी.(यू.जी.),2021 की अखिल भारतीय स्तर की परीक्षा में 9409वां रैंक प्राप्त किया है। इस उपलब्धि से उनका परिवारजन ही नहीं अपितु जांगिड समाज गौरवान्वित हो रहा है। कु.एकता प्रारम्भ से ही मेधावी छात्रा रही है। कु.एकता ने इस सफलता का श्रेय अपने दादा श्री भीमराज को देती है।

महासभा कु.एकता के उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

-भीमराज जांगिड

भिवानी जिले के एक छोटे से गांव हरिपुर (पालू वास) में एक अभाव ग्रस्त जांगिड़ परिवार में पिता सुरेश जांगिड़ और मां कविता के घर पैदा हुए दीपक जांगिड़ ने । पिता जी का एक छोटा-सा सैटरिंग का काम है और जैसे तैसे गुजारा करते हैं। लेकिन उनके सपने बड़े थे और उनके इस सपने को साकार किया है इनके सुपुत्र दीपक ने हरियाणा पुलिस में चयनित हो कर। बी.एस.सी.(नान मैडिकल)की स्नातक की डिग्री हासिल की।

दीपक समाज सेवा के प्रति संकल्पित हैं और उन्होंने कहा कि जहां तक संभव हो सकेगा उसने निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने का संकल्प लिया है। दीपक एक दिन पदोन्नति के माध्यम से पुलिस अधीक्षक आई पी एस के पद तक पहुंचेंगे।

महासभा इनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करती है। **सह सम्पादक मनोहर लाल**

जांगिड समाज की होनहार प्रतिभाएं

डा. प्रवीण शर्मा ने नया कीर्तिमान स्थापित किया

जांगिड समाज के गौरव अखिल भारतीय मैडिकल अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में कार्यरत प्रोफेसर डा. प्रवीण शर्मा को अपनी सतत् मेहनत कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर अमेरिका की स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विश्व के महान वैज्ञानिकों की एक सूची जारी की गई जिसमें डा. प्रवीण शर्मा को भी महत्वपूर्ण स्थान हासिल हुआ है।

इस विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों की जो सूची जारी की गई है। उन 2 प्रतिशत वैज्ञानिको की सूची में प्रवीण शर्मा को भी शामिल किया गया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल करने के लिए वह बधाई के पात्र हैं। इस समाज के लिए इससे बड़ा गर्व और खुशी का कोई क्षण नहीं हो सकता है। इस विश्व में करोड़ों वैज्ञानिक हैं और उनमें भी शीर्ष स्थान पर अपना स्थान सुनिश्चित करना। यह केवल उपलब्धि विलक्षण प्रतिभा का धनी ही हासिल कर सकता है।

अन्तराष्ट्रीय स्तर पर डॉ. साहब को जो ख्याति प्राप्त हुई है उसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। मूलत: जयपुर निवासी प्रख्यात साइंटिस्ट डा. प्रवीण शर्मा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा अनुसंधान संस्थान जोधपुर में जैव रसायन विभाग(माइक्रोबायोलोजी)विभाग के विभागाध्यक्ष व शोध विभाग (रिसर्च) के अधिष्ठाता (डीन) है। इसके साथ ही वह चिकित्सा विज्ञान की शोध जर्नल (त्रैमासिक पत्रिका) इंडियन जर्नल ऑफ बायोकेमेस्ट्री के मुख्य संपादक भी है।

महासभा डा. प्रवीण शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करती है।

रवि जांगिड ने उप पुलिस निरीक्षक की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया

गांव काबरेल जिला हिसार हरियाणा गांव के रवि जांगिड़ के साथ जिनके सिर से पिता का साया सन् 2009 में उठने के पश्चात, परिवार में घोर निराशा छा गई थी। लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी, जिसका परिणाम यह हुआ कि मेहनत और परिश्रम के बल पर आज उसका चयन हरियाणा पुलिस में उप निरीक्षक के पद पर हो गया है और उसने पिछड़ा वर्ग ए श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया है।

इनकी माता शीला जांगिड़ ने बताया कि इनके पिता के चले जाने के बाद हमारे अपर दु:ख का पहाड़ टूट पड़ा। लेकिन परमात्मा की अनुकम्पा से मुझे आंगनबाड़ी में काम मिल गया। मैंने अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दिए हैं।

महासभा डा. प्रवीण शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करती है।

उप सम्पादक रामभगत शर्मा

जांगिड समाज की होनहार प्रतिभाएं

रेमन जांगिड हरियाणा पुलिस में उप निरीक्षक बनी

रेमन जांगिड़ ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर हरियाणा पुलिस में उप निरीक्षक बन कर जांगिड़ समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

इनके पिता सीमा सुरक्षा बल सेना में कार्यरत होने के कारण उनको समय नहीं मिल पाता था, लेकिन उनके द्वारा दिए गए अनुशासन के मूलमंत्र को उनकी मां श्रीमती बिमला जांगिड ने आत्मसात करते हुए अपने हौसले में कोई भी कमी नहीं आने दी।

रेमन ने बताया कि उसने गांव से 10 किलोमीटर दूर महम उप मण्डल के सरस्वती विद्या मंदिर से 2008 में 10वीं कक्षा और सन् 2010 में 12वीं कक्षा पास की तथा वर्ष 2014 में सूचना प्रौद्योगिकी में टैक्सटाइल तकनीकी और विज्ञान संस्थान भिवानी से डिग्री हासिल की।

वह अपने पिता को अपना रोल मंडल मानती है। इसलिए उनकी इच्छा पिता की तरह सदैव ही एक अनुशासित कैडर में सेवा करने की रही है। इसी लिए उन्होंने पुलिस सेवा को अधिमान दिया है।

महासभा इनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करती है और उम्मीद है कि वह जीवन में आशातीत सफलता हासिल करेगी।

सम्पादक

मधु जांगिड हरियाणा पुलिस में उप निरीक्षक बनी

जांगिड समाज की बेटी और जींद जिले के एक छोटे से गांव में पैदा हुई मधु जांगिड़ ने, जिसने अपने माता-पिता के आशीर्वाद से हरियाणा पुलिस में उप निरीक्षक पद की नियुक्ति हासिल की है।

मधु के पिता राजेंद्र जांगिड़ खेती-बाडी का कार्य करते हैं और इनकी मां श्रीमती शीला देवी एक सुघड़ गृहिणी है।

मधु पढ़ाई में हमेशा ही बेहतर रही है। उसने स्नातकोत्तर महाविद्यालय जींद से बायोटेक में बी. एस. सी. की परीक्षा पास की और इस समय वह चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय से बी. एड. कर रही है।

महासभा मधु जांगिड़ के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करती है

सह सम्पादक – मनोहर लाल शर्मा

जांगिड समाज की होनहार प्रतिभाएं

कान्हा-जांगिड का चयन राजस्थान प्रशासनिक सेवा में हुआ

राजस्थान प्रशासनिक सेवा में एक ऐसे प्रतिभावान कान्हा जांगिड का चयन हुआ है, जिसने पैसे के अभाव में बच्चों को टयूशन पढ़ा कर अपने लक्ष्य को हासिल किया है। यद्यपि यह डगर उसके लिए कठिन थी, लेकिन अथक साधना, कड़ी मेहनत और माता-पिता के आशीर्वाद के बल पर ही यह उपलब्धि हासिल है।इन्होंने जांगिड़ समाज को गौरवान्वित किया है।

मिलनसार प्रवृत्ति के धनी कान्हा जांगिड़ जन्म राजस्थान के करौली जिले के हिंडोन तहसील के गांव सुरोठ में एक गरीब परिवार में माता कमलेश जांगिड़ और पिता महादेव प्रसाद जांगिड के घर पैदा हुए। उन्हें करौली जिले का समाज के पहले-राजस्थान प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होने का गौरव हासिल हुआ है। अपने गांव सूरौठ से ही उसने 10वीं और 12वीं की परीक्षा उत्कृष्ट श्रेणी में पास की। उसके पश्चात् एक दुर्घटना में नवविवाहिता भाभी को एक एक्सीडेंट में एक पैर गंवाना पड़ा। पूरा परिवार आपदाओं से घिर गया। इलाज के लिए इनके स्वाभिमानी पिता ने अपना घर तक बेच दिया।

आर्थिक तंगी के चलते कान्हा ने अपनी पढ़ाई स्वयं पाठी विद्यार्थी के रूप में जारी रखना तय किया पढाई के खर्च का भार पिता पर ना पड़े इसलिए बच्चो को टयूशन देकर एवम् पार्ट टाइम जॉब करके परिवार को भी आर्थिक रूप से छोटी ही सही परंतु उस समय महत्वपूर्ण मदद की। इसी दौरान उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी शुरु कर दी। प्रथम प्रयास में ही उन्हें सफलता हाथ लगी और वर्ष 2015 में उन्होंने एसएससी, सीपीओ के माध्यम से सब इंस्पेक्टर का पद प्राप्त किया।

परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए ढाई वर्ष तक सी आई एस एफ में अपनी सेवाएं दी परंतु भाग्य और नियति को कुछ और ही मंजूर था। उन्होंन अपनी जॉब के साथ अपनी पढ़ाई एवम् तैयारी को जारी रखा और 2018 में सीएजी में अनुवादक के पद पर नियुक्ति हुई। तत्पश्चात एक वर्ष वहां सेवा देने के बाद राजस्थान में वरिष्ठ अध्यापक के रूप में सेवा प्रारंभ की और अपने पहले ही प्रयास में राजस्थान प्रशानिक सेवा परीक्षा 2018 में 100वीं रैंक हासिल कर इस प्रतिष्ठित पद पर पहुंचे हैं।

पिता की महादेव जांगिड़ से रिटायर्ड हैं और मां श्रीमती कमलेश देवी एक सुघड़ गृहणी है । कान्हा जांगिड़ भविष्य में भी इसी प्रकार उपलब्धियां हासिल करके समाज को गौरवान्वित करते रहेंगे। महासभा कान्हा जांगिड़ के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करती हैं।

सह संपादक- मनोहर लाल शर्मा

कविता- चिन्ता करता हूँ, भावी पीढ़ियों की

चिन्ता करता हूं ,भावी पीढ़ियों की।
पीड़ाएं मेरी पर्वत सी हो गई
अब ये पिगलनी चाहिए
एक नदी हिमालय से
सुखे प्यासे राजस्थान के लिए
अब अवश्य निकलनी चाहिए
खेत जमीन बहुत है मेरे पास
पानी बिन ऊगा ना पाऊं
अनाज देश वासियों के लिए
चिन्तन सात पीढ़ियों का लिए मन में
अर्ज केन्द्र सरकार से करुं
पीड़ा मेरी पर्वत सी हो गई
अब तो पिगलनी चाहिए
एक नदी अब तो हिमालय से
सुखे प्यासे राजस्थान के लिए
जरुर निकलनी चाहिए
हर आम आदमी की यही है पुकार
मैं प्राचीन काल से अब तक
बहुत से अकाल देखते आया हूं
रेगिस्तान है सबने कहते हुए
बेवारीस छोड़ दिया मुझे
गरीबी से लड़ता रहा हूं निरन्तर
मजदूरी मिली नही मुझे पेट भर
परिवार मेरा बिखरता चला गया
तलाश मजदूरी की करते करते
पूरे भारत भर में फैल गया
मैं एक आम आदमी हूं भारत का
विनती करता हूं विनम्र भाव से
दिल्ली के तख्तधारीयों से
मुझे जीने के लिए पानी तो पिला दो
मेरी हरी भरी खेती के लिए
एक नदी मेरे प्रदेश में बहा दो
ना सोना मांगू , ना चांदी मांगू
चार पैसे की मजदूरी मांगू
कुछ कल कारखाने मांगू
मुझे जीने का हक्क दे दो
भावी पीढ़ियों के हाथ में काम दे दो
ऐसा कुछ इंतजाम कर दो
पीड़ा पर्वत सी हो गई है मेरी
अब पिगलनी चाहिए
एक नदी प्यास बुझाने के लिए
हिमालय से निकलनी चाहिए
मैं पश्चिमी सूखा राजस्थान हूं
वर्षो से अकाल झेलता आया हूं
अब चिन्ता करता हूं
आने वाली पीढ़ियों की
मेरे खेतों को पानी दे दो
और ना कोई चाहत है मेरी
पीड़ा मेरी पर्वत सी हो गई
अब यह पिगलनी चाहिए
एक नहर और हिमालय से
मेरे राजस्थान के लिए निकलनी चाहिए
ये क्रान्ति की मशाल सदैव
जलती रहनी चाहिए
मेरे हाथ में ना सही
तेरे हाथ में जलती रहनी चाहिए
एक नदी निकलनी चाहिए...

कवि दलीचंद जांगिड सातारा महाराष्ट्र
मोबाईल 9421215933

''संस्कृति-संस्कार व शिक्षा''

हिन्दू संस्कृति का मूल उद्‌गम परमात्मा है। परमात्मा का प्रतीक प्रणव ॐ है। भारतीय संस्कृति की (प्रबल धारा) परमात्मा के प्रणव से प्रभावित है (अजस धारा) सृष्टि में शिव तत्व की प्रधानता होने के कारण हमारे एक-एक कृत्य में शुभ की व लाभ की भावना है। स्वस्तिक शुभ का प्रतीक है। शुभ भाव के फलस्वरूप सोलह दलों वाले कमल के विकसित रूप की तरह अहिंसा, सत्य, आस्तेय, ब्रह्मचर्य यश, दान, तप, संयम कर्मफल में विश्वास, परलोक में विश्वास वर्णाश्र धर्म का आधार, त्याग, दया, कर्त्तव्य पालन और शौर्य इन सोलह सद्‌गुणों का विकसित स्वरूप भारतीय संस्कृति है।भारतीय संस्कृति भक्ति, प्रेम, समता समन्वय सहिष्णुता पर आज भी टिकी हुई है।हिन्दू संस्कृति व संस्कार का परिचय हमे राग द्वेष रहित तपस्वी सत्य अहिंसा की प्रतिमूर्ति ऋषियों में मिलता है।भारतीय संस्कृति का उदाहरण है मौक्ष ही परमध्येय है।

सिद्धार्थ अपनी सुन्दर पत्नी और नवजात शिशु को छोडकर बैरागी हो जाते है। धर्म पर अडिग गुरू गोविन्द सिंह अपने बालकों को जिन्दा दीवार में चुनवा दिये जाने पर भी मलाल नही करते है। भारतीय संस्कृति का मूलाधार कर्म प्रधान है। वर्ण व्यवस्था कर्तव्य का बोध कराता है हम कल्याण मार्ग पर ही चुनते रहे। भारतीय संस्कृति के आदर्श राम, कृष्ण, भरत, हनुमान, सीता, गांधी तिलक, मालवीय इसी तरह के लोग है इनका जीवन सबके लिए अनुकरणीय है।

भारतीय संस्कृति धर्मपरक है इसलिए मानव जीवन में कर्तव्य पालन और स्वधर्माचरण के प्रति प्रत्येक मनुष्य को सजग रहना जरूरी है वैसे हिन्दू समाज में व्यक्ति की दिनचर्या धर्म कर्म से ही शुरू होती है और धर्म कर्म पर ही समाप्त होती है। इसका कारण परंपराओं को पालना करना है, जो हमारी सभ्यता-संस्कृति का द्योतक है। भारतीय सभ्यता-संस्कृति में अतिथि को देवता माना गया है। अतिथि सत्कार देवता की पूजा के समान है।

सनातन धर्म धर्म निरपेक्ष धर्म है अत: यह किसी में भेदभाव नही रखता है सहिष्णु है –

'वसुद्यैव कुटुम्बकम' की अवधारणा पर गतिशील है। यह सभी प्राणियों की मंगल कामना करता है।

सर्वेभवन्तु सुखिन:सर्वसन्तुनिरामया: ।सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित दु:खभाग्भवेत।।

संस्कृति शब्द का वाचक शब्द ही संस्कार होता है। संस्कार सत्संग से बनते है। क्षण भर का कुसंग भी मनुष्य के पतन का कारण बन सकता है। सामाजिक जीवन में सच्चरित्र होना एवं सुसंस्कार सम्पन्न होना आवश्यक है।उज्जवल चरित्र से हमारा काम तो होता ही है, साथ ही समाज, राष्ट्र एवं विश्व का भी काम होता है। हमारा पवित्र एवं सु सस्कार सम्पन्न जीवन समाज का घटक होने से समाज का ही होगा।वस्तु और व्यक्ति की उपयोगिता संस्कार पर निर्भर करती है। अच्छे संस्कारों से सत्व गुण में वृद्धि होती है इसलिए दीर्घआयु जीवन की अपेक्षा पवित्र जीवन का मूल्य अधिक है। संस्कारहीन व्यक्ति पशु के समान है।

हिन्दू संस्कृति व संस्कार के अनुसार कर्मानुष्ठान करते हुए धर्माचरण करे, कर्त्तव्य परायण हो, सद्‌गुण सम्पन्न हो शिक्षा पर अधिक ध्यान दें तभी हम उन्नत होंगे और समाज भी उन्नतिशील बनेगा।

हमारे प्राचीन भारत का सूत्र अब भी विद्यमान है, वह है अपनी संस्कृति व संस्कार। इस संस्कृति और संस्कार का सम्बन्ध हमारे धर्म से है।

अत: बच्चों को संस्कारवान् व शिक्षित बनाना समाज का दायित्व बनता है।

–संपादक प्रभुदयाल शर्मा (जांगिड),महासभा

समाज में जागृति का शंखनाद

पिछले महीने अक्तूबर में भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के लिए आयोजित परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ है। इस परिणाम को देखकर मुझे काफी निराशा हाथ लगी है। अपने कठिन परिश्रम लग्न और सतत् साधना के माध्यम से जांगिड़ समाज के पांच प्रतिभागी साक्षात्कार तक पहुंचने में सफल रहे, लेकिन अन्तिम सूची में अपना स्थान सुनिश्चित करने में असफल रहे।

मैं पिछले 11 वर्षो से देख रहा हूं। भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के परिणाम इतने उत्साहजनक नहीं रहे हैं। सन् 2010 में चुनाराम जांगिड़ भारतीय प्रशासनिक सेवा में सफल रहे, 2011 में रमेश शर्मा, आई ए एस, और जलज शर्मा और दिनेश कुमार जांगिड़, भारतीय राजस्व सेवा में चयनित हुए। सन् 2012 में शंकर जांगिड़ , सन् 2013 में अपूर्व शर्मा एगमेट ,2014 में जलज शर्मा, आई.ए.एस और लोकेश जांगिड़ आई.ए.एस. और विपुल जांगिड़ भारतीय विदेश सेवा में चयनित हुए, वर्ष 2016 में मोहित शर्मा आई.आर.एस., सन् 2018 कान्ता जांगिड़ आई.पी.एस., 2019 मे धीरज शर्मा आई.आर.एस., और 2020 में विक्रम शर्मा एगमेट में चयनित हुए हैं। इस वर्ष 2021 में जांगिड़ समाज के 5 प्रतिभागी साक्षात्कार तक पहुंचने में कामयाब रहे लेकिन दुर्भाग्यवश कोई खाता नहीं खुला।

इस आकलन से स्पष्ट है कि वह कौन सी अड़चन है जो इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में आगे बढ़ने से रोक रही है और यह सबसे बड़ा चिंता का विषय है । इस पर गहन चिंतन की जरूरत है। इससे एक बात तो स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है कि समाज में जागृति और चेतना का अभाव है ।

जांगिड समाज की संख्या जैसे हरियाणा में लगभग 5 प्रतिशत है और राजस्थान में लगभग 9 प्रतिशत है। देश की बात करें तो यह संख्या करोड़ों में पहुंच जाती है, लेकिन भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में इस समाज के अधिकारियों की संख्या लगभग नगण्य है। इसका कारण जानना चाहा तो पता चला कि अधिकतर आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और उनकी सोच संकुचित है वह अपने बच्चों को अध्यापक या पुलिस या आई.टी.आई. तक ही सीमित रखना चाहते हैं। जब सपने बड़े नहीं होंगे तो लक्ष्य भी संकुचित ही होगा। जो परिवार शहरों में शिफ्ट हो गए उनके बच्चों में अवश्य ही प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा हुई है । लेकिन धनाभाव के कारण वह भी अपने बच्चों के सपनों को पंख लगाने में असफल रहे हैं। जो समाज के धनाढ्य महानुभाव है वह अपने बच्चों को अपने व्यवसाय से जोड़ कर उनका रास्ता अवरूद्ध कर देते हैं।

मैंने एक मीणा समाज के आई.ए.एस. अधिकारी से यह जानने का प्रयास किया कि क्या कारण है कि मीणा समाज के इस बार 2021 में 35 प्रतिभागी भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए हैं । इसके उत्तर में उन्होंने बताया कि हमारा समाज उपेक्षित रहा है और इस कारण हमारे बच्चों में आगे बढ़ने की प्रतिस्पर्धा ने उनमें एक नया जोश पैदा किया है इसके अतिरिक्त समाज के अधिकारियों ने भी योग्य बच्चों के आगे बढ़ने में भरपूर सहयोग और मार्ग दर्शन दिया है। इसके अलावा आरक्षण ने भी अमूल्य योगदान दिया है। श्री मीणा आई.एस. ने कहा कि उनके परिवार और रिश्तेदारों में 16 भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं।

मुझे पता चला है कि इस बार जैन समाज के प्रथम 20 उम्मीदवारों में से 5 उम्मीदवार जैन समाज के बच्चे हैं। इसके बारे में मेरी जानने की इच्छा हुई तो पता चला कि जैन समाज ने जीतू नाम की एक संस्था खोली हुई है जहां जैन समाज के प्रतिभावान उम्मीदवारों को कोचिंग से लेकर आवास और खाने सहित सभी सुविधाएं मुफ्त प्रदान की जा रही है ताकि वह निश्चिंत हो कर एकाग्र चित्त हो कर अपने लक्ष्य को हासिल कर सके।

मुझे यह कहते हुए बिल्कुल भी संकोच नहीं है कि अगर समाज में जागृति का शंखनाद नहीं फूका गया तो समाज के भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों का अकाल ही पड़ जायेगा और इसके लिए अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के कर्णधारों को अपनी महत्ती भूमिका निर्धारित करनी होगी और जैन समाज की तर्ज पर एक ऐसी एकडेमी खोलनी होगी जहां प्रतिभागियों को तराशने के साथ साथ गरीब और प्रतिभाशाली बच्चों का चयन करके महासभा के खर्च पर उनकी सहायता की जाए ताकि इसका लाभ उठा कर इच्छुक प्रतिभागियों का भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में जाने के सपनों को साकार किया जा सके और इस महायज्ञ में महासभा की अंहम भूमिका हो सकती है।

अपने विगत लेखों में भी संकेत दिया जा चुका है कि विश्वकर्मा मन्दिर आदि बहुत बन चुके, अब तो नई पीढ़ी को पूजा जाये जिसके लिये कोचिग संस्थानों की स्थापना अति आवश्यक है । तभी हमारी महासभा की सार्थकता है। यदि ऐसा होता है यह महासभा की सार्थकता में मील का पत्थर सिद्व होगा।

उप सम्पादक रामभगत शर्मा

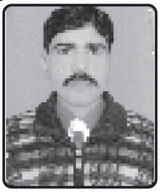

श्री केशर देव डाडिवाल स.सं:- 26396
पुत्र श्री सोहन लाल जांगिड
जन्मतिथि/आयु- **शासन**-डाडिवाल
शिक्षा- **दूरभाष**-9982907476
व्यवसाय-
परिवार-
संतति-
मूल निवास-
वर्तमान पता- ग्राम ढाढर, तहसील चुरू, जिला चुरू, राजस्थान
प्रेरणा-श्री शंकर लाल धामू

श्री बैजु राम जांगिड़ स.सं:- 26397
पुत्र श्री राम लाल राजोतिया
जन्मतिथि/आयु-01.02.1955 **शासन**-राजोतिया
शिक्षा-एम.ए., बी.एड. **दूरभाष**-9460673471
व्यवसाय-रिटायर्ड शिक्षक
परिवार- पत्नी मनि देवी
संतति- दो,
मूल निवास-
वर्तमान पता- 156 गांव वन विहार, तह.चुरू, जिला-चुरू, राजस्थान-331001
प्रेरणा-महावीर प्रसाद मीषण

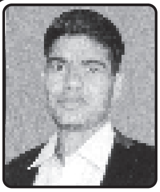

श्री मुकेश कुमार भदरेचा स.सं:- 26398
पुत्र श्री सतपाल भदरेचा
जन्मतिथि/आयु-04.04.1979 **शासन**-भदरेचा
शिक्षा-बी.ए.; **दूरभाष**-9414350803
व्यवसाय-ट्रासपोर्ट
परिवार- पत्नी श्रीमती संगीता देवी
संतति- पुत्र एक, पुत्री एक,
मूल निवास-
वर्तमान पता- वार्ड न. 13, ग्राम विश्वकर्मा प्लाजा नई सड़क तह. चुरू, जिला चुरू राजस्थान-331001
प्रेरणा- स्वयं

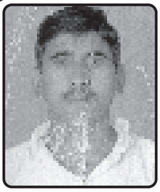

श्री हंसराज धामू स.सं:-26399
पुत्र श्री भैरा राम धामू
जन्मतिथि/आयु-01.01.1979 **शासन**-धामू
शिक्षा-8वीं **दूरभाष**-9414305894
व्यवसाय-व्यवसाय
परिवार- पत्नी श्रीमती अनीषा
संतति- दो पुत्र,
मूल निवास-
वर्तमान पता- ग्राम रामसरा, तहसील चुरू, जिल चुरू, राजस्थान
प्रेरणा-श्री शंकर लाल धामू

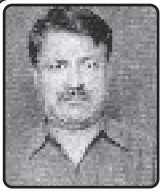

श्री गोविन्दप्रसाद राजोतिया स.सं:-26400
पुत्र स्व.श्री नत्थू राम राजोतिया
जन्मतिथि/आयु-53 वर्ष **शासन**-राजोतिया
शिक्षा-8वीं **दूरभाष**-9414327727
व्यवसाय-व्यवसाय
परिवार- पत्नी श्रीमती गुड़ी देवी
संतति- दो पुत्र, एक पुत्री
मूल निवास-
वर्तमान पता- वार्ड-7, ग्राम मनोरंजन क्लव के पीछे तह.चुरू, जिला चुरू (राज.) 331001
प्रेरणा- श्री महावीर प्रसाद मीषण

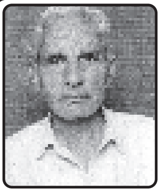

श्री राम लाल रोलिवाल स.सं:-26401
पुत्र स्व. श्री खीवा राम रोलिवाल
जन्मतिथि/आयु- **शासन**-रोलिवाल
शिक्षा-5वीं **दूरभाष**-9413267715
व्यवसाय-व्यवसाय
परिवार- पत्नी श्रीमती कमला देवी
संतति- दो पुत्र, दो पुत्री
मूल निवास-
वर्तमान पता- वार्ड-22 ग्राम धर्म स्तूप के पास जिला चुरू, (राज.)
प्रेरणा-श्री महावीर प्रसाद मीषण

श्री विनोद कुमार चोयल स.सं:-26402
पुत्र स्व.श्री मोती राम चोयल
जन्मतिथि/आयु-03.07.1957 **शासन**-चोयल
शिक्षा-एम.काम, एम.फिल. **दूरभाष**-9414350741
व्यवसाय-रिटार्ड अधिकारी
परिवार- पत्नी श्रीमती सुलोचना
संतति- एक पुत्र, एक पुत्री
मूल निवास-
वर्तमान पता- सी-35 ग्राम अग्रसेन नगर तह. चुरू जिला चुरू (राज.) 331001
प्रेरणा-श्री महावीर प्रसाद मीषण

श्री सोमदत काकटिया स.सं:-26403
पुत्र श्री नोरत मल काकटिया
जन्मतिथि/आयु-17.08.1983 **शासन**-काकटिया
शिक्षा-9वीं **दूरभाष**-9799790514
व्यवसाय-चांदी का कार्य
परिवार- पत्नी श्रीमती अनीता
संतति- एक पुत्र, एक पुत्री
मूल निवास-
वर्तमान पता- संतोषी माता मन्दिर के पास, नई सड़क तह. चुरू जिला चुरू (राज.) 331001
प्रेरणा-श्री बैजु राम राजोतिया

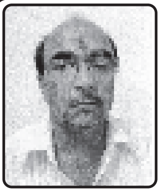

श्री बशीधर बधाणिया स.सं:-26404
पुत्र श्री टोरमल बधाणिया
जन्मतिथि/आयु-06.09.1954 **शासन**-बधानिया
शिक्षा- **दूरभाष**-9431107462
व्यवसाय-व्यवसाय
परिवार- पत्नी श्रीमती गायत्री देवी
संतति- चार पुत्री
मूल निवास- चेजारो का मौहल्ला, बिसाऊ
वर्तमान पता- अपर बाजार, गांधि तह. राचि जिला राचि (झारखण्ड)
प्रेरणा-श्री गिरधारी लाल राजोतिया

श्री मनोजकुमार राजोतिया स.सं:-26405
पुत्र श्री लिखमी चन्द राजोतिया
जन्मतिथि/आयु-15.07.1980 **शासन**-राजोतिया
शिक्षा-12वीं **दूरभाष**-9530106901
व्यवसाय-सोने चांदी का कार्य
संतति- एक पुत्र, एक पुत्री
मूल निवास-
वर्तमान पता- ग्राम गढ़ के पीछे राज का वांड़ा तह. चुरू, जिला चुरू, (राज.) 331001
प्रेरणा-श्री महावीर प्रसाद मीषण

श्री रामचन्द्र आसलिया स.सं:-26406
पुत्र श्री सोहनलाल आसलिया
जन्मतिथि/आयु-06.08.1960 **शासन**-आसलिया
शिक्षा-एम.ए. **दूरभाष**-9413218721
व्यवसाय-समाज सेवा
परिवार- पत्नी श्रीमती मीरा देवी
संतति- एक पुत्री, दो पुत्री
मूल निवास- अजीतसर तह. सरदार शहर
वर्तमान पता- प्लाट न. 92 वन विहार कालोनी विश्वकर्मा विला तह. चुरू (राज.) 331001
प्रेरणा- स्वयं

श्री बजरंग लाल धामू स.सं:-26407
पुत्र श्री कुम्भा राम धामू
जन्मतिथि/आयु-16.02.1962 **शासन**-माकड़
शिक्षा-एम.कॉम,एम.एड., **दूरभाष**-9983253542
व्यवसाय-
परिवार- पत्नी श्रीमती मंजू देवी
संतति- दो पुत्र, एक पुत्री
मूल निवास- गोरीसर तह. रतनगढ़ जिला चुरू
वर्तमान पता- ग्राम गोरीसर पंचायत गोरीसर तह. रतगढ़ जिला चुरू (राज.) 331022
प्रेरणा- श्री महावीर प्रसाद मीषण

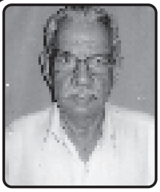

श्री महावीर प्रसाद बरवाड़िया स.सं:-26408
पुत्र श्री ज्ञान चन्द बरवाडिया
जन्मतिथि/आयु-15.08.1946 **शासन**-बरबाडिया
शिक्षा-हायर सैकेण्ड्री **दूरभाष**-9413675376
व्यवसाय-समाज सेवा
परिवार- पत्नी श्रीमती सुख देवी
संतति- तीन पुत्र, एक पुत्री
मूल निवास- गीग राज के कूर के पास रतनगढ
वर्तमान पता- प्लाट न. वार्ड 13, नया बास, नई सड़क तह. चुरू, जिला चुरू (राज.) 331001
प्रेरणा- श्री मोहन लाल शर्मा (रोलीवाल)

श्री राकेशकुमार राजोतिया स.सं:-26409
पुत्र श्री कालीचरण राजोतिया
जन्मतिथि/आयु-03.08.1973 **शासन**-राजोतिया
शिक्षा-10 **दूरभाष**-9829606880
व्यवसाय- ज्वैलर्स
परिवार- पत्नी श्रीमती ललिता देवी
संतति- एक पुत्र, दो पुत्री
मूल निवास-
वर्तमान पता- वार्ड-34 ग्राम राज का वाड़ा, गढ़ के पीछे तह.चुरू जिला चुरू (राज.) 331001
प्रेरणा- श्री गिरधारी लाल राजोतिया जिला अध्यक्ष, चुरू

श्री रमेश कुमार राजोतिया स.सं:-26410
पुत्र श्री राम कुमार राजोतिया
जन्मतिथि/आयु- **शासन**-राजोतिया
शिक्षा- **दूरभाष**-9784174533
व्यवसाय-
परिवार-
संतति-
मूल निवास-
वर्तमान पता- वार्ड-34 ग्राम राज का वाड़ा, गढ के पीछे तह. चुरू, जिला चुरू (राज.)
प्रेरणा- श्री गिरधारी लाल राजोतिया जिला अध्यक्ष चुरू

श्री नरेश कुमार राजोतिया स.सं:-26411
पुत्र श्री श्रीराम राजोतिया
जन्मतिथि/आयु-01.01.1981 **शासन**-राजोतिया
शिक्षा- **दूरभाष**-9413575758
व्यवसाय- ज्वैलर्स
परिवार-
संतति-
मूल निवास-
वर्तमान पता- वार्ड न. 34 ग्राम राज का वाड़ा, गढ़ के पीछे तह. चुरू जिला चुरू (राज.) 331001
प्रेरणा- श्री मनोज कुमार राजोतिया

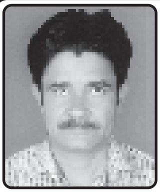

श्री विक्रम राजोतिया स.सं:-26412
पुत्र श्री चिरंजी लाल राजोतिया
जन्मतिथि/आयु-01.01.1965 **शासन**-राजोतिया
शिक्षा- **दूरभाष**-9461111776
व्यवसाय-चांदी का कार्य
परिवार- पत्नी श्रीमती सीता देवी
संतति- एक पुत्र, दो पुत्री
मूल निवास-
वर्तमान पता- वार्ड-34 ग्राम गढ़ के पीछे, राज का वाड़ा तह. चुरू जिला चुरू (राज.) 331001
प्रेरणा- श्री गिरधारी लाल राजोतिया, जिला अध्यक्ष चुरू

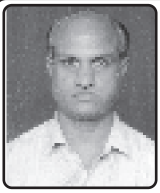

श्री राकेशकुमार राजोतिया स.सं:-26413
पुत्र श्री राम कुमार राजोतिया
जन्मतिथि/आयु-05.06.1973 **शासन**-राजोतिया
शिक्षा-10वी **दूरभाष**-9983422785
व्यवसाय-
परिवार- पत्नी श्रीमती विन्दु
संतति- दो पुत्र
मूल निवास-
वर्तमान पता- वार्ड-34 ग्राम राज का वाड़ा, गढ के पीछे तह. चुरू जिला चुरू (राज.) 331001
प्रेरणा- श्री मनोज कुमार राजोतिया

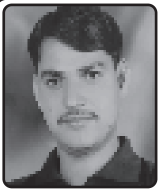

श्री दीपक कुमार शर्मा स.सं:-26414
पुत्र श्री मोहन लाल
जन्मतिथि/आयु-10.09.1984 **शासन**-राजोरिया
शिक्षा-बी.ए. **दूरभाष**-9460926323
व्यवसाय- सरकारी नौकरी
परिवार- पत्नी श्रीमती मन्जु देवी
संतति- दो पुत्र
मूल निवास-
वर्तमान पता- गाँव पोस्ट चेन्तोली भूसावार जिला भरतपुर (राज.) 324017
प्रेरणा- स्वयं

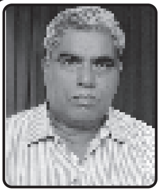

श्री महावीर प्रसाद मीषण स.सं:-26416
पुत्र श्री शंकर लाल धामू
जन्मतिथि/आयु-04.08.1953 **शासन**-मीषण
शिक्षा-8वीं **दूरभाष**-9460212585
व्यवसाय-समाज सेवा
परिवार- पत्नी श्रीमती परमेश्मरी
संतति-
मूल निवास-
वर्तमान पता- वार्ड-32 ग्राम अगूणा मौहल्ला, टकणेत हाउस के पास तह. चुरू जिला चुरू (राज.) 331001
प्रेरणा- शंकर लाल धामू

श्री विनीत सुवानियां **स.सं:-26417**
पुत्र श्री राजेन्द्र बाबू सुवानियां
जन्मतिथि/आयु-31.07.1986 **शासन**-सुवानिया
शिक्षा-बी.ई. **दूरभाष**-7019819383
व्यवसाय-इजीनियरिंग
परिवार- पत्नी श्रीमती सालिनी सुवानिया
संतति- युवन
मूल निवास- बावल
वर्तमान पता- फ्लेट न. 341, सेकिण्ड फ्लोर, ध्रुवा अपार्टमेन्ट, पटपड़गंज नई दिल्ली-110092
प्रेरणा- स्वयं

श्री कमलेश कुमार जांगिड स.सं:-26418
पुत्र श्री मूल चन्द जांगिड़
जन्मतिथि/आयु-02.07.1981 **शासन**-वनवाल
शिक्षा-बी.ए. **दूरभाष**-9929016214
व्यवसाय-टेन्ट हाउस
परिवार- पत्नी श्रीमती सन्तोषी देवी
संतति-
मूल निवास-
वर्तमान पता- गाँव निजामपुरा जिला दौसा (राज.) 303511
प्रेरणा- श्री कमलेश कुमार जांगिड

श्री दामोदर प्रसाद **स.सं:-26420**
पुत्र स्व. श्री नानू राम
जन्मतिथि/आयु-56वर्ष **शासन**-कटकखालिया
शिक्षा- **दूरभाष**-9462279726
व्यवसाय-तकनीकी ऑफीसर
परिवार- पत्नी श्रीमती कमला शर्मा
संतति- दो पुत्र
मूल निवास- 147रूपनगर,पाता सी रोड, जोधपुर
वर्तमान पता- एच क्यू, सीडब्ल्यूई, एमईएस, कोटा (राज.) 342006
प्रेरणा- श्री रामपाल जांगिड, उत्तम नगर, दिल्ली

श्री वीरेन्द्र जांगिड **स.सं:-26421**
पुत्र श्री बजरंग लाल जांगिड़
जन्मतिथि/आयु-22वर्ष **शासन**-वरबां
शिक्षा-बी.ए. **दूरभाष**-9571937893
व्यवसाय-
परिवार-
संतति-
मूल निवास-
वर्तमान पता :-खातियों का मोहल्ला गांव मोरेर तह. मकराना जिला नागौर (राज.) 341505
प्रेरणा- स्वयं

श्री गिरीश कुमार **स.सं:-26422**
पुत्र श्री बाबू लाल जांगिड़
जन्मतिथि/आयु-11.09.1981 **शासन**-रोहलीवाल
शिक्षा-बी.कॉम. **दूरभाष**-9460544836
व्यवसाय-एकाउटेन्ट
परिवार- पत्नी श्रीमती सन्जू देवी जांगिड़
संतति- दो
मूल निवास- गुर्ज्जर कालोनी
वर्तमान पता- नियर तह. ऑफिस जिला नागौर (राज.) 341505
प्रेरणा- स्वयं

श्री महावीर जांगिड **स.सं:-26423**
पुत्र श्री देवा राम जांगिड़
जन्मतिथि/आयु-05.06.1990 **शासन**-आसलिया
शिक्षा-बी.एस.सी. **दूरभाष**-8696962678
व्यवसाय-श्री राम एंटर प्राइजेज
परिवार- पत्नी श्रीमती पुष्पा
संतति- दो
मूल निवास-ग्राम पोस्ट-मांगलोद, तह.जायल, जिला नागौर
वर्तमान पता- एस-72, गोविन्द विहार, पॉवर हाउस के पीछे भांकरोटा जिला जयपुर (राज.) प्रेरणा- चान्दमल जांगिड

श्री जय नारायण जांगिड **स.सं:-26424**
पुत्र श्री रूपा राम जांगिड
जन्मतिथि/आयु-01.03.1962 **शासन**-आसलिया
शिक्षा-5 **दूरभाष**-9351152842
व्यवसाय-कारपेन्टर
परिवार- पत्नी श्रीमती दुर्गा देवी
संतति- तीन
मूल निवास- ग्राम मागलोद,तह.जायल,जिला नागौर
वर्तमान पता- पी.एन. 41 करणी सील 200 फुट बाई पास हीरापुरा जिला जयपुर (राज.) 302021
प्रेरणा- चान्दमल जांगिड

श्री गंगा किशन जांगिड **सं:-26425**
पुत्र श्री बस्ती राम जांगिड
जन्मतिथि/आयु–04.04.1992 शासन-बोदलिया
शिक्षा-8, **दूरभाष**-8233004983
व्यवसाय- दुकान
परिवार- पत्नी श्रीमती बिका देवी
संतति- एक
मूल निवास- टेहरी (नगौर)
वर्तमान पता- एस-73 गोविन्द विहार अजमेर रोड, भाकरोटा जिला जयपुर(राज.) 302126 **प्रेरणा**- चान्दमल जांगिड

श्री राम निवास जांगिड **स.सं:-26426**
पुत्र श्री गणपत लाल जांगिड़
जन्मतिथि/आयु-11.07.1976 **शासन**-दुगेसर
शिक्षा-सैकण्डरी **दूरभाष**-9829394017
व्यवसाय-कॉन्ट्रेक्टर
परिवार- पत्नी श्रीमती लीला देवी जांगिड
संतति- दो
मूल निवास- मुकाम पोस्ट हरनावाँ पट्टी,
वर्तमान पता- 133-बी. द्रोणपुरी, गति ट्रान्सपोर्ट कुरियर के पास गैस गोदाम रोड, 200 फीट बाईपास, वैशालीनगर जिला जयपुर (राज.) 302021
प्रेरणा- चान्दमल जांगिड़

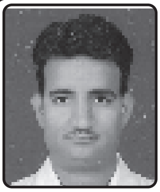

श्री राम जीवन जांगिड़ **स.सं:-26427**
पुत्र श्री मदन लाल जांगिड
जन्मतिथि/आयु-15.12.1986 **शासन**-उमरानियाँ
शिक्षा-बी.ए. **दूरभाष**-9024141434
व्यवसाय-व्यापार
परिवार- पत्नी श्रीमती गीता जांगिड़
संतति- एक पुत्री, एक पुत्र
मूल निवास- मु.पो. जावली, वाया-रेण,
वर्तमान पता- म.न.-91 रतन नगर, कनकपुरा रेलवे स्टेशन के पास, कनकपुरा (राज.)
प्रेरणा- श्री चान्दमल जांगिड़

संरक्षक सदस्य परिचय

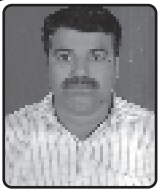

श्री बाबू लाल जांगिड **स.सं:-26428**
पुत्र श्री किशन लाल जांगिड
जन्मतिथि/आयु-01.07.1980 **शासन**-पालडिया
शिक्षा-12 **दूरभाष**-9982319954
व्यवसाय-फर्नीचर
परिवार- पत्नी श्रीमती संतोष कंवर
संतति- तीन
मूल निवास- गाँव कल्याण पुर पोस्ट रानी गांव
वर्तमान पता- प्लाट न. 143 रेलवे ऑफीसर कालोनी कनकपुरा जिला जयपुर (राज.) 302012
प्रेरणा- श्री चान्दमल जांगिड

श्री राकेश जांगिड **स.सं:-26429**
पुत्र श्री पूसाराम जांगिड
जन्मतिथि/आयु-01.07.1980 **शासन**-धामू
शिक्षा-8वीं **दूरभाष**-9799089477
व्यवसाय-फर्नीचर वर्क
परिवार- पत्नी श्रीमती शान्ति देवी जांगिड
संतति- तीन
मूल निवास- बनियाँ की ढाणी कालवा बड़ा
वर्तमान पता- 44 सेवा राम नगर कनकपुरा-रेलवे स्टेशन के सामने जयपुर (राज.) 302012
प्रेरणा- श्री चान्दमल जांगिड़

श्री चैना राम जांगिड **स.सं:-26430**
पुत्र स्व. श्री प्रभू राम जांगिड़
जन्मतिथि/आयु-09.07.1985 **शासन**-कंवलेचा
शिक्षा-10वीं **दूरभाष**-9950729442
व्यवसाय- फर्नीचर वर्क
परिवार- पत्नी श्रीमती विमला देवी जांगिड़
संतति- दो
मूल निवास- ग्राम गढ़ी पो. हरनांवा पट्टी
वर्तमान पता- ई-60, जानकी विहार, घावास रोड, हीरापुरा, अजमेर रोड, जिला जयपुर (राज.)302021
प्रेरणा- श्री चान्दमल जांगिड़

श्री सत्य पाल **स.सं:-26431**
पुत्र श्री तोता राम जांगिड़
जन्मतिथि/आयु- **शासन**-
शिक्षा- **दूरभाष**-
व्यवसाय-
परिवार-
संतति-
मूल निवास-
वर्तमान पता- के-25, चाणक्य पैलेस पार्ट-2 नई दिल्ली
प्रेरणा- स्वयं

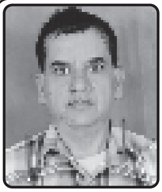

श्री जय प्रकाश जांगड़ा **स.सं:-26432**
पुत्र श्री थाम्बे राम
जन्मतिथि/आयु-54वर्ष **शासन**-मेषण
शिक्षा-10 **दूरभाष**-9466480725
व्यवसाय- फर्नीचर कार्य
परिवार- पत्नी श्रीमती राजबाला
संतति- दो पुत्र,
मूल निवास-ढाणी कुम्हारन,तह.नारनौद,जि0 हिसार
वर्तमान पता- म.न. 195 वार्ड - 7 तिलक नगर, रायपुर टोड हिसार(हरि.) 125001
प्रेरणा- स्वयं

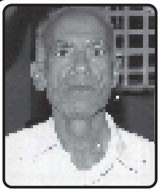

श्री रामस्वरूप जांगड़ा **स.सं:-26433**
पुत्र श्री राम लाल जांगडा
जन्मतिथि/आयु- **शासन**-दाहिमा
शिक्षा-अनपढ़ **दूरभाष**-9991500153
व्यवसाय-खेती-बाड़ी
परिवार- पत्नी श्रीमती ओमबती
संतति- दो लड़की
मूल निवास- गांव ढाणी प्रेम नगर
वर्तमान पता- गांव ढाणी प्रेम नगर पोस्ट गैबीपुर, तह. बरवाला जिला हिसार (हरियाणा) 125121
प्रेरणा- श्री धर्म सिंह सैक्ट्री जिला प्रधान हिसार

श्री ब्रहम कुमार जांगडा **स.सं:-26434**
पुत्र श्री राम लाल जांगडा
जन्मतिथि/आयु-07.04.1965 **शासन**-दाहिमा
शिक्षा-12 **दूरभाष**-9050734134
व्यवसाय-खेती-बाड़ी
परिवार- पत्नी श्रीमती सन्तोष
संतति- एक पुत्र, तीन पुत्री
मूल निवास- गांव ढाणी प्रेम नगर
वर्तमान पता- सतगुरू धर्म कांटा अग्रोवा मोड़ जिला हिसार (हरि.)
प्रेरणा- श्री धर्म सिंह सैक्ट्री जिला प्रधान हिसार

श्री रामभरोस जांगिड़ **स.सं:-26435**
पुत्र श्री प्रहलाद राम जांगिड
जन्मतिथि/आयु-04.04.1983 **शासन**-पालड़िया
शिक्षा-बी.ए. दूरभाष-9405301269
व्यवसाय-फर्नीचर
परिवार- पत्नी श्रीमती मन्जूलता
संतति- एक पुत्र, एक पुत्री
मूल निवास- गंठिया
वर्तमान पता- गाँव -जिजाबाई चव्हाण, प्लाट न. 9 सर्वे न-20, मॅटरो अस्पताल, न्यू बालाजी नगर, औरंगाबाद (महा.) 431001
प्रेरणा- श्री मूलचंद जी धामू

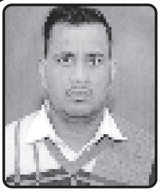

श्री नरेन्द्र कुमार **स.सं:-26436**
पुत्र श्री महेन्द्र सिंह
जन्मतिथि/आयु-01.01.1981 **शासन**-बेरबाल
शिक्षा- **दूरभाष**-9996432648
व्यवसाय-दुकानदारी वर्कशॉप
परिवार- पत्नी श्रीमती रेखा रानी
संतति- एक पुत्र, दो पुत्री
मूल निवास-
वर्तमान पता- गांव गोन्दर पोस्ट खाना गोन्दर तह. निसंग जिला करनाल (हरि.)
प्रेरणा- राजपाल जांगड़ा प्रधान अ.भा.जा.सभा करनाल

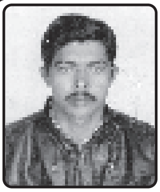

श्री कशमीर सिंह जांगडा **स.सं:-26437**
पुत्र श्री दीप चन्द जांगडा
जन्मतिथि/आयु-06.08.1972 **शासन**- पिन्जै
शिक्षा-8वीं **दूरभाष**-9729013625
व्यवसाय-राज मिस्त्री
परिवार- पत्नी श्रीमती सन्तोष रानी
संतति- तीन
मूल निवास-
वर्तमान पता- गांव पोस्ट नीसंग डाक खाने वाली गली करनाल (हरि.) 132024
प्रेरणा- श्री राज पाल

श्री विक्रम जांगड़ा **स.सं:-26438**
पुत्र श्री सुभाष चन्द जांगड़ा
जन्मतिथि/आयु-12.12.1993 **शासन**-बरवाडिया
शिक्षा-डिप्लोमा **दूरभाष**-9050246718
व्यवसाय-शेरवाल
परिवार- पत्नी श्रीमती मन्जू रानी
संतति- एक
मूल निवास- नीसंग (गुल्लरपुर)
वर्तमान पता- गांव व पोस्ट नरसिंह भूटा कालोनी वार्ड न. 6, जिला करनाल (हरि.) 132024
प्रेरणा- गोविन्द चन्द जांगड़ा

श्री सुरेश कुमार जांगड़ा **स.सं:-26439**
पुत्र श्री रिशाल सिंह जांगड़ा
जन्मतिथि/आयु-09.04.1971 **शासन**-बेरवाल
शिक्षा-8वी **दूरभाष**-9896094759
व्यवसाय-खेतीबाड़ी
परिवार- पत्नी श्रीमती चन्द्रवती
संतति- पाँच
मूल निवास-गांव व पोस्ट नीसंग जिला करनाल
वर्तमान पता- वार्ड न.13 ब्रास वाली गली नजदीक (नौगजापीर नीसंग) करनाल (हरि.) 132024
प्रेरणा- श्री गोविन्द चन्द जांगड़ा

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड़ **स.सं:-26440**
पुत्र स्व. श्री दयाली राम
जन्मतिथि/आयु-01.03.1991 **शासन**-आवल्य
शिक्षा-10वीं **दूरभाष**-8009777623
व्यवसाय-ठेकेदारी
परिवार- पत्नी श्रीमती प्रीती शर्मा
संतति- एक
मूल निवास-ग्राम-बुढ़वार हनुमान मन्दिर के सामने
वर्तमान पता-ग्राम बुढ़वार हनुमान मन्दिर के सामने थाना ललितपुर जिला ललितपुर (उ.प्र.)
प्रेरणा- पं. जय गौतम (जांगिड़)

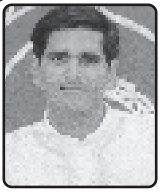

श्री कांती लाल शर्मा (सुथार) **स.सं:-26441**
पुत्र श्री लक्ष्मी चन्द शर्मा (सुथार)
जन्मतिथि/आयु-01.01.1978 **शासन**-दमीवाल
शिक्षा-10वी **दूरभाष**-9982846065
व्यवसाय-फर्नीचर
परिवार- पत्नी श्रीमती भावना देवी
संतति- एक पुत्र, एक पुत्री
मूल निवास- मु.पोस्ट बजाधरा तह. गढ़ी
वर्तमान पता- पो. पोस्ट बजाधरा गढ़ी जिला बासवाड़ा (राज.) 327025
प्रेरणा- स्वयं

श्रीमती कल्पना धीमान (सुथार) **स.सं:-26442**
पति श्री सुनील कुमार धीमान
जन्मतिथि/आयु-07.07.1978 **शासन**-धीमान
शिक्षा-बी.ए. **दूरभाष**-9958863243
व्यवसाय- सर्विस
परिवार-
संतति- एक पुत्र
मूल निवास-
वर्तमान पता- एच-10 बी अशोक विहार फेज-1 दिल्ली-110052
प्रेरणा- नरेन्द्र कुमार शर्मा

श्री मनीष काला **स.सं:-26443**
पुत्र श्री घासी राम काला
जन्मतिथि/आयु-01.01.1983 **शासन**-काला
शिक्षा-8वीं **दूरभाष**-9785750475
व्यवसाय-कारपेन्टर
परिवार-
संतति-
मूल निवास- सिरसली वाले
वर्तमान पता- आनन्द नगर वार्ड न-6 रेनवाल रोड चौमू जिला जयपुर (राज.) 303702
प्रेरणा- श्री मोहन लाल आमेरिया

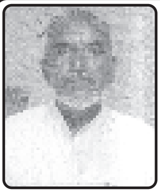

श्री रामभरोस विश्वकर्मा जांगिड़ **स.सं:26444**
पुत्र स्व. श्री हरि प्रसाद जी विश्वकर्मा
जन्मतिथि/आयु-02.04.1962 **शासन**-धंधेरिया
शिक्षा-माध्यमिक, **दूरभाष**-8889576975
व्यवसाय- कृषि
परिवार- पत्नी श्रीमती सुगनाबाई विश्वकर्मा
संतति- दो पुत्र, दो पुत्री
मूल निवास- खरसानिया
वर्तमान पता- ग्राम खरसानिया, पोस्ट छितगांवमौजी तह. नसरूल्लागंज जिला सीहोर (म.प्र.) 466331
प्रेरणा- श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा

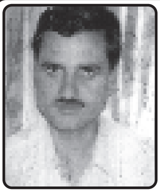

श्री ओमप्रकाश विश्वकर्मा जां0 **स.सं:-26445**
पुत्र स्व. श्री राम प्रसाद विश्वकर्मा
जन्मतिथि/आयु-01.04.1968 **शासन**-कहलवाल
शिक्षा-हायर सैकेण्ड्री **दूरभाष**-9926194219
व्यवसाय- पुलिस विभाग
परिवार- पत्नी श्रीमती दुर्गा विश्वकर्मा
संतति- चार पुत्र, एक पुत्री
मूल निवास- गुराड़ी
वर्तमान पता- वार्ड क्रमांक- 14 शास्त्री कालोनी नसरूल्लागंज जिला सीहोर (मध्य प्रदेश) 466331
प्रेरणा- श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा लाडकुई

श्री मिश्री लाल विश्वकर्मा **स.सं:-26446**
पुत्र श्री मूल चन्द विश्वकर्मा
जन्मतिथि/आयु-02.06.1971 **शासन**-आलोदिया
शिक्षा-बी.ए., एल.एल.बी **दूरभाष**-9926508048
व्यवसाय- कृषि
परिवार- पत्नी श्रीमती बसंती देवी विश्वकर्मा
संतति- तीन
मूल निवास- ग्राम व पोस्ट सेमल पानी करीम
वर्तमान पता- किसान मौहल्ला वार्ड न. 5, नसरूल्लागंज जिला सीहोर मध्य प्रदेश 466331
प्रेरणा- श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा लाडकुई

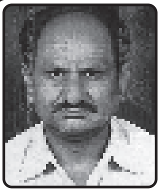

श्री दुर्गा प्रसाद विश्वकर्मा **स.सं:-26447**
पुत्र श्री देवाजी विश्वकर्मा
जन्मतिथि/आयु-11.11.1956 **शासन**-गूगोर
शिक्षा-8वीं **दूरभाष**-9827241742
व्यवसाय- वेल्डिंग वर्क
परिवार- पत्नी श्रीमती लीला विश्वकर्मा
संतति- दो पुत्र, एक पुत्री
मूल निवास- बमूलिया जिला सीहोर
वर्तमान पता- आरा मशीन रोड राजेन्द्र नगर बेरागढ़ संत हिरदाराम नगर भोपाल, मध्य प्रदेश(462030)
प्रेरणा- श्री अनोखी लाल विश्वकर्मा

वर चाहिए

Wanted a Suitable Match for fair Anshik Manglik Jangid.Brahmin girl. D.O.B 16/06/1992. Place of Birth Mumbai.,Ht. 5'4".Edicaton B.Tech., Occupation:Deputy Manager (State Bank Of India) Shasan:Self- Jawlia, Mother-Kaktyan Grand Mother-Mundawaria Contact: 9868827346: jai.jawlia@gmail.com

वधू चाहिए

Requires Bride for Groom . Boys D.O.B is-04/11/91 -around 04 AM. Qualifications- Graduate in Hotel Managempent From MD University Rohtak (Haryana). Two Years Diploma-From a reputed Institution in Singapur For 03 years he was in service in Singapur. Now Since Last Three Years he is working in a five star hotel in New Zealand. Girl should be well professionally Qualified, Ready to move and settle abroad. Interested may Contact on follwing on Numbers-9306412355 and 8816088582.i]8

वर चाहिए

Wanted a Suitable Match for J. B. boy, D.O.B. 03.06.1993,at 04:25 AM, at Colaba Mumbai,Ht.-5'10'''',B.Tech (M.E.), working In CCC Company @ Abu Dhabi UAE As a Rov Pilot, Handsome Salary, Self-Chhichholiya, Mother-Rajotiya, Grand Mother-Baberwal, Nanni-Samdiya, Native Place Alwar (Raj.), Presently in CBD Belapur Navi Mumbai, (Father Retired Navy) Mob-9867948028 (Whatsapp), Home- 9867499009

सरस्वती के भण्डार की बड़ी अपूर्व बात ।
ज्यों खर्चे त्यों-त्यों बढ़े, बिन खर्चे घीट जात ।।

हे सरस्वती! हे विद्या देने वाली, ज्ञान की देवी, आपके पास ज्ञान का अद्भुत अक्षंय कोष है, जो खर्च करने से बढ़ता ही रहता है। जितना दूसरों को ज्ञान देते है, वह उतना ही बढ़ता और विकसित होता है। यदि उसे व्यय न किया जाये तो ज्ञान भी कम और बिल्कुल नष्ट हो जाता है। जैसे-

अपूर्व कोऽपि केशोऽयं विद्यते तव भारती ।
व्ययतो वृद्धिमायाति क्षयमायाति संचयात ।।

विद्वान व्यक्ति जहां भी जायेगा, रहेगा, वही पूजा जायेगा। कहा गया है कि विद्वान और राजा किसी भी प्रकार एक समान नहीं है। राजा की तो अपने देश में ही पूजा होती है, परन्तु विद्वान की सब जगह प्रतिष्ठा होती है।

शोक सन्देश/श्रद्धांजलियां

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि श्री यशपाल एस जांगिड़ - 9897412120 (प्रदेश मंत्री, उत्तर प्रदेश) की पूज्यनीय माता जी स्व श्रीमती शकुन्तला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री सुखबीर सिंह जांगिड़ (गाँव बुढ़सैनी-बागपत) निवासी 114/ए, अशोक पुरी, कंकर खेड़ा, मेरठ का स्वर्गवास दिनांक 22 अक्टूबर 2021 दिन शुक्रवार को हो गया था। दिनांक 31 अक्टूबर 2021 को उनकी तेहरवीं, रस्म पगड़ी एवं श्रद्धांजलि सभा कंकर खेड़ा, मेरठ स्थित इशिका फार्म हॉउस में आयोजित की गई जिसमें अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के पूर्व एवम वर्तमान पदाधिकारीगण तथा अनेको सामाजिक एवं राजनीतिक गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।

डॉ प्रमेन्द्र जांगड़ा (उपाध्यक्ष - उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग, भारतीय जनता पार्टी) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। समाज के जाने माने राज्यसभा सांसद माननीय श्री राम चन्द्र जांगड़ा सहित विभिन्न प्रांतो के प्रदेशसभा अध्यक्षों द्वारा श्रद्धांजलि संदेश पत्र भेज कर परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की। परिवार की ओर से महासभा को रू 500/- दान दिया गया।

हम सभी महासभा तथा प्रदेशसभा उत्तर प्रदेश की ओर से परमपिता परमात्मा से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में उचित स्थान प्रदान करें और परिवारजनों को इस असीम दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

ॐ शांति:, ॐ शांति:, ॐ शांति:

हरपाल शर्मा जांगिड़, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेशसभा, उत्तर प्रदेश

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्री सुवा लाल जी जांगिड (बरनेला) की धर्मपत्नी एवं भंवर लाल, रामचन्द्र, प्रहलाद राय, प्रभु दयाल शर्मा (जांगिड) अध्यक्ष प्रदेशसभा म. प्र.-अ.भा.जां.ब्रा.महासभा दिल्ली की पूज्य माताजी श्रीमती भानी देवी शर्मा जांगिड का दिनांक 31 अक्टूबर 2021 रविवार को आक्स्मिक देवलोकगमन हो गया।

शोकाकुल:-भंवर लाल, रामचन्द्र,प्रहलाद राय, प्रभुदयाल जांगिड एवं समस्त बरनेला परिवार फर्म:- शक्ति हार्डवेयर स्टोर, सुनील हार्डवेयर स्टोर, आदर्श मैकेनिक नगर भमोरी इन्दौर,

महासभा दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिये प्रार्थना करती है और शोकाकुल परिवार को इस क्षति को सहन करने की शक्ति दें।

ॐ शांति:, ॐ शांति:, ॐ शांति:

प्रभुदयाल बरनेला, प्रदेश अध्यक्ष म.प्र

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

FULFILLING DREAMS.

LATE SHREE
KANHAIYALAL
SHARMA
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road
Call : 9099978327

Satellite
Call : 9099978334

Parimal Garden
Call : 9099978328

Naroda
Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : NARMADA TOYOTA
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

NRJ
HEPL
CERTIFIED ISO COMPANY
N.R.J. Hitech Engineers Pvt. Ltd.
(An ISO Certified company)
CIN-U74140DL2014PTC273625
Director
Naresh Kr. Jangra
9990392999
DEALS IN :
• Fire Fighting
Hydrant System
• Sprinkler System
• Fire extinguishers
• Air Piping, Fire Alarm
• Smoke Detection System
• Fire Rated Doors
• Fire Pumps
• Electrical Installation
• Construction
FIRE
B-207/S Kalindi Apartment, Samiah Lake City, Kashipur Road,
Rudrapur (U.S.Nagar) Uttarakhand -263153
Head Office: RZ14, A-Block, Gali No. 1&2, Deenpur
Extension, Najafgarh, New Delhi-43
E-mail : nrjhepl@gmail.com, nrjhitechengineers@gmail.com

Posted at: DELHI R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2021-23
Posted Under Licence No. U(DN)39/2021 of Post without prepayment of postage

BLAZE INTERNATIONAL
POLYMERS RECYLING IMPORTER & EXPORTER OF POLYMERS
292, Sect. 2, KASEZ, Gandhidham (Kutch) Ph.: 02836-252950

POLYREC PROCESSORS P LTD.
PROCESSORS PVT. LTD.
IMPORTERS & EXPORTER OF POLYMERS
278/278, Sect. 3, KASEZ Gandhidham (Kutch) Gujarat
Phone : 02836-252830

RONAKSH INTERNATIONAL
Office : F-105, T.M. Tower, Near Joshi Petrol Pump
Gandhidham (Kutch) Gujarat, Mobile : 09978606178

VISHAL INTERNATIONAL
IMPORTERS & TRADERS OF PLOYMERS
B-770, NU-4, Sapna Nagar, Gandhidham (Kutch) Gujarat
E-mail : agglopast@gmail.com

Rudraksh Plastics Pvt. Ltd.
Shed #8B, Sector-2, Kandla Special Economic Zone
Gandhidham (Kutch) Gujarat - 370230

माता मोहिनी देवी शर्मा मेमोरियल ट्रस्ट
गांधीधाम (कच्छ) गुजरात
- मुख्य उद्देश्य -
शिक्षा, राजनीतिक, सामाजिक उत्थान, गौ-सेवा, वैदिक प्रचार प्रसार

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahman Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05,Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Om Prakash Sewal, 706/35, Near Triveni Park, Janta Colony,Rohtak, Hr.

सेवा में

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 October 2021
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

प्रेषक
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110 006